पर्वत केवल धरती का सौंदर्य नहीं, मनुष्य की आत्मा को स्थिर, शांत और ऊर्ध्वगामी बनाने वाली जीवन-शक्ति हैं

महेश अग्रवाल
-पेज4 पर

दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 137/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 11 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स में 300 अंक की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 11 दिसंबर को बढ़त है। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 84,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 50 अंक की बढ़त है, ये 25,850 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सांध्यप्रकाश विशेष

ट्रंप ने लांच किया 'ट्रंप गोल्ड कार्ड', 9 करोड़ में मिलेगी अमेरिका की नागरिकता

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च कर दिया है। इसका ऐलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इससे सरकारी खजाने में अरबों डॉलर आएंगे। यह पूरा पैसा यूनाइटेड स्टेट्स सरकार के पास जाएगा। बता दें कि 2025 के फरवरी महीने में ट्रंप ने गोल्ड कार्ड नाम से एक नया वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। दरअसल, गोल्ड कार्ड एक नया वीजा रेजिडेंसी प्रोग्राम है। यह लंबे समय तक अमेरिका में रहने, काम करने और नागरिकता पाने का एक अच्छा विकल्प है। यह कार्ड खासतौर पर अमीरों, इन्वेस्टर्स, बिजनेसमैन या टैलेंटेड प्रोफेशनल्स के लिए बनाया गया है। इस कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर यानी लगभग 8.97 करोड़ रुपए रखी गई है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इस कार्ड से सरकारी खजाना तेजी से भरेगा। ट्रंप गोल्ड कार्ड पाने के लिए कंपनियों को 2 मिलियन डॉलर चुकाने होंगे। इस फीस के अलावा एप्लिकेशन प्रोसेस के दौरान अलग से फीस देनी होगी। दरअसल, फीस के बदले आवेदक को अमेरिका में नागरिकता प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2025 में किया था ऐलान

बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने 2025 में गोल्ड कार्ड नाम से एक नया वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। लेकिन फरवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर यानी 44 करोड़ भारतीय रुपए बताई थी। अब इसे लॉन्च कर दिया गया है और इसकी कीमत घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दी गई है। गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कार्ड लॉन्च करते हुए कहा कि आज हम सभी के लिए खुशी की बात है कि हमने अभी-अभी ट्रंप गोल्ड कार्ड लॉन्च किया है। साइट लगभग 30 मिनट में लाइव हो जाएगी। कार्ड से मिलने वाला पूरा पैसा यूनाइटेड स्टेट्स सरकार के पास जाएगा। यह हमारे देश में किसी को लाने का एक तोहफा है और इससे सरकारी खजाने में भी अरबों डॉलर प्राप्त होंगे।

क्या ग्रीन कार्ड जैसे ही राइट्स मिलेंगे?

अमेरिका में मिलने वाला यह गोल्ड कार्ड नागरिकों को ग्रीन कार्ड जैसे ही राइट्स देने वाला है। जिस प्रकार अमेरिका में स्थाई तौर पर रहने के लिए ग्रीन कार्ड की जरूरत पड़ती है, वैसे ही गोल्ड वीजा कार्ड भी यही काम करेगा। अमेरिका में इसके लिए पांच तरह के वीजा प्रोग्राम हैं, लेकिन सबसे बेहतर प्रोग्राम ईबी-5 माना जाता है, जिसमें व्यक्ति किसी रोजगार देने वाले नियोक्ता से नहीं बंधा होता। यह वीजा धारक अमेरिका में कहीं भी रहकर काम या पढ़ाई कर सकता है, लेकिन इसे हासिल करने में 4 से 6 महीने का समय लगता है। दरअसल, इसका मकसद भी विदेशी निवेश हासिल करना होता है।

मुख्यमंत्री इंदौर में बोले- हमने नक्सलवाद का खात्मा किया

इंदौर, सांध्य प्रकाश। सीएम डॉ. मोहन यादव आज इंदौर पहुंचे। इस दौरान इंदौर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से ही हमने युवाओं और गरीबों के लिए लगातार काम किया है। सिंचाई का रकबा दोगुना करने जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट हमने पूरे किए हैं। कांग्रेस के समय नक्सलवाद एक बड़ी समस्या थी, जिसे हमने खत्म किया है।

सीएम यादव ने आगे कहा कि हमारे कई जिले आज नक्सल-मुक्त हो रहे हैं। कांग्रेस के समय कांग्रेस के एक मंत्री की हत्या भी नक्सलियों ने कर दी थी। उस समस्या की जड़ भी तत्कालीन मुख्यमंत्री थे, जो आज भी हिड़मा के मारे जाने पर दुख व्यक्त करते हैं। यह कांग्रेस का दोहरा चरित्र दर्शाता है कि वह केवल आरोप लगाकर समस्याओं को जिंदा रखती रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में हमारी सरकार लगातार बेहतर काम कर रही है। रोजगार के लिए हमारी इंडस्ट्री ग्रोथ रेट राष्ट्रीय औसत से आगे चल रही है।

विकास सतत एवं संवहनीय हो इसके लिए ई-मोबिलिटी महत्वपूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से विकास कर रहा है। वर्ष-2047 तक विश्व का नेतृत्व करने के लिए विकास के सभी आयामों में कार्य किया जा रहा है। मैनुफैक्चरिंग, सर्विसेज और कृषि सभी क्षेत्रों में सरकार भविष्योन्मुखी योजनाएं ला रही है। विश्व के नेतृत्व के लिए विकसित भारत के साथ स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण है। विकास सतत एवं संवहनीय हो यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्राथमिकता है। ई-मोबिलिटी इसका महत्वपूर्ण अंग है। केंद्र सरकार की मंशानुरूप राज्य सरकार ई-लॉजिस्टिक्स को प्रोत्साहन दे रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल एमपीआईडीसी और सीआईआई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मिंटो हॉल भोपाल में ग्रीन लॉजिस्टिक कॉनक्लेव-2025 का शुभारंभ सत्र में शामिल हुए। शुभारंभ सत्र में एमडी एमपीआईडीसी चंद्रमौली शुक्ला, सीआईआई के वाईस प्रेसिडेंट श्री महेश पंजवानी, एनएचईवी के प्रतिनिधि सहित इलेक्ट्रिक व्हीकल और लॉजिस्टिक क्षेत्र में कार्य करने वाले औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश व्यापी निरोगी काया अभियान में करोड़ों नागरिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई। जाँच में 30 प्रतिशत नागरिकों में ब्लड प्रेशर, सुगर, डायबिटीज जैसी बीमारियों का चिन्हांकन यह स्पष्ट करता है कि पर्यावरण अनुकूल विकास ही आगे की राह का मार्गदर्शक बन सकता है। आज ई-व्हीकल महंगे लगते हैं। पर उनकी ऑपरेटिंग कॉस्ट परम्परागत वाहनों से 70 गुना से भी कम है। भविष्य में मांग बढ़ने पर इनकी प्रारंभिक लागत भी कम होगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ई-व्हीकल प्रोत्साहन के लिए सतत जागरूकता का आह्वान किया। राज्य शासन इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न निर्माताओं के ई-कॉमर्शियल व्हीकल्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एमडी एमपीआईडीसी चंद्रमौली शुक्ला ने कहा कि स्टेट लॉजिस्टिक एक्शन प्लान में ई-लोजिस्टिक्स को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए सभी स्टेक होल्डर्स के साथ मंथन किया जा रहा है। उस आधार पर सिटी एक्शन प्लान भी बनाया जाएगा। उन्होंने समस्त स्टेक होल्डर्स से सुझाव अग्रेषित करने का अनुरोध किया ताकि स्टेट एक्शन प्लान में उन्हें शामिल कर सशक्त ई-मोबिलिटी रणनीति का निर्माण किया जाये।उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की सकारात्मक योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

(कार्यक्रम से संबंधित फोटो पेज 8 पर)

विधायक के निवास पहुंचे सीएम मोहन यादव, वर-वधू को दिया आशीर्वाद

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार को इंदौर पहुंचे और विधायक गोलू शुक्ला के निवास पर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिसमें सिंचाई का विस्तार और युवाओं के लिए रोजगार सृजन शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी की जा चुकी है। नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद गंभीर समस्या थी, लेकिन इसे समाप्त करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। वहीं, उनकी सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे कई जिले नक्सलवाद मुक्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर केवल आरोप लगाकर समस्या को बनाए रखने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी सरकार समाधान पर भरोसा करती है। उन्होंने बताया कि सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरे होने जा रहे हैं और रोजगार सृजन के मामले में इंडस्ट्री ग्रोथ रेट राष्ट्रीय औसत से आगे चल रही है। विमानतल पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा और प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे बाणगंगा स्थित विधायक शुक्ला के निवास पहुँचे। कुछ समय बाद मुख्यमंत्री पुनः विमानतल पहुँचे और बेंगलुरु के लिए रवाना हुए।

वीर सावरकर के नाम वाला सम्मान लेने से शशि थरूर का इनकार

मुरलीधरन ने पुरस्कार को बताया कांग्रेस का अपमान

नई दिल्ली। वीर सावरकर पुरस्कार को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस सम्मान को लेने से साफ इनकार कर दिया है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान थरूर ने बताया कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही जानकारी मिली और वे पुरस्कार समारोह में नहीं जाएंगे। थरूर ने कहा कि आवश्यक विवरणों के अभाव में उनके लिए कार्यक्रम में शामिल होना या पुरस्कार स्वीकार करना संभव नहीं है। इस बीच, पुरस्कार प्रदान करने वाली हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी (एचआरडीएस) इंडिया ने दावा किया है कि थरूर को काफी समय पहले ही सूचित किया जा चुका था। संस्था के सचिव अजी कृष्णन ने कहा कि उनके प्रतिनिधि और पुरस्कार जूरी के अध्यक्ष थरूर के आवास पर आमंत्रण देने गए थे। कृष्णन के अनुसार, थरूर ने अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची भी मांगी थी, जो उन्हें सौंप दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि थरूर शायद कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे को उठाए जाने के कारण दबाव में हैं। थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि संगठन, पुरस्कार और उससे जुड़े विवरण स्पष्ट न होने के कारण वे इस कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकते। वहीं, कांग्रेस नेता के मुरलीधरन ने कहा कि किसी भी कांग्रेस सदस्य को सावरकर के नाम पर पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे पार्टी की विचारधारा को ठेस पहुंच सकती है।

लोकसभा में ई-सिगरेट पीने के आरोप, अनुराग ठाकुर की बात पर स्पीकर बोले- जांच कराएंगे

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज तृणमूल कांग्रेस सांसद पर गंभीर आरोप लगाए। अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की। इस पर स्पीकर ने उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी तरह के नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सदन के नियमों के मुताबिक समुचित जांच कराई जाएगी।

हिमाचल प्रदेश से निर्वाचित लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रश्नकाल के दौरान कहा, पूरे देश में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन संसद में तृणमूल कांग्रेस सांसद ई-सिगरेट पी रहे हैं। उनकी इस बात को गंभीरता से लेते हुए स्पीकर ओम बिरला ने कहा, संसदीय नियमावली के तहत इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि संसद की मर्यादा से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरी-मणिबेन पटेल की डायरी नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा। राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं। इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए।

कांग्रेस सांसद सप्तगिरी उल्का ने उठाए चुनाव आयोग पर सवाल

कांग्रेस सांसद सप्तगिरी उल्का ने कहा है कि जब भी वे चुनाव आयोग के खिलाफ सवाल उठाते हैं, तो सरकार हमेशा उनका बचाव करती है। उल्का ने कहा कि जब हम चुनाव आयोग के खिलाफ कुछ कहते हैं, तो चुनाव आयोग खुद कुछ नहीं कहता, लेकिन भाजपा के प्रवक्ता उनका बचाव करते रहते हैं। हमारे सवाल स्पष्ट हैं और हमने कुछ मुद्दे उठाए हैं जिनके जवाब चाहिए।

माइक्रोसॉफ्ट सीईओ बोले- भारत 2030 तक अमेरिका से आगे होगा

बेंगलुरु। भारत के आईटी और टेक सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने बेंगलुरु में कहा है कि 2030 तक भारत, अमेरिका को पीछे छोड़कर पर दुनिया का सबसे बड़ा गिटहब डेवलपर कम्युनिटी वाला देश बन जाएगा।

आसान भाषा में समझें तो, गिटहब दुनिया का वो प्लेटफॉर्म है जहां सॉफ्टवेयर इंजीनियर और डेवलपर्स अपने कोड रखते हैं और सॉफ्टवेयर बनाते हैं। फिलहाल इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा लोग अमेरिका से हैं और भारत दूसरे नंबर पर है। लेकिन नडेला का मानना है कि भारत जिस रफ्तार से तरक्की कर रहा है, अगले कुछ वर्षों में वह नंबर 1 होगा।

नडेला ने कहा कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है। यहां के डेवलपर्स नई तकनीकों को अपनाने में सबसे आगे हैं। उन्होंने बताया कि भारत में डेवलपर्स की संख्या न सिर्फ बढ़ रही है, बल्कि वे दुनिया के सबसे मुश्किल प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। नडेला ने कहा कि भारत के पास टैलेंट की कोई कमी नहीं है और यही टैलेंट ग्लोबल एआई क्रांति का नेतृत्व करेगा। नडेला ने आगे कहा कि वो भारत में निवेश करने के लिए उत्साहित हैं। सत्या नडेला इन दिनों भारत के दौरे पर हैं और यहां के डेवलपर्स और टेक्नोलॉजी लीडर्स से मुलाकात कर रहे हैं।

गोवा अग्निकांड; लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

बैंकाक। गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी। बिर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे। दोनों पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

तत्काल प्रभाव से बदले गए नियम, फ्लाइट उड़ने में 15 मिनट की देरी की जांच होगी

नई दिल्ली। देश के विमानन सेक्टर में पहली बार तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है।

12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे। कंपनी को किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की तुरंत सूचना डीजीसीए को फोन पर देनी होगी। 72 घंटे में विस्तार से रिपोर्ट भेजनी होगी। डिफेक्ट तीन बार दोहराए जाने पर उसे 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माना जाएगा और उस पर अलग से विशेष जांच शुरू होगी। डीजीसीए ने यह सख्ती इसलिए की क्योंकि अब तक डिफेक्ट रिपोर्टिंग व्यवस्था कमजोर थी। अभी तक 15 मिनट की देरी की जांच जैसी व्यवस्था नहीं थी और रिपीट डिफेक्ट की परिभाषा भी नहीं थी।

सतना में तेली खाने से 5 लोग बीमार, रीवा रेफर किया गया

सतना। सतना जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के लामी करही गांव में बुधवार को एक ही परिवार के पांच सदस्य फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आ गए। उन्होंने गाय के प्रसव के बाद निकले पहले दिन के दूध (खीस या तेली) का सेवन किया था। हालत बिगड़ने पर सभी को रामपुर बघेलान से रीवा रेफर किया गया, जहां संजय गांधी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। लामी करही गांव निवासी जितेंद्र द्विवेदी के घर हाल ही में गाय ने एक बछड़े को जन्म दिया था। प्रसव के बाद निकला पहला दूध, जिसे स्थानीय भाषा में 'खीस' या 'तेली' कहा जाता है, परिवार ने एक साथ सेवन किया था।

भारत आ रहे लियोनेल मेसी, चार शहरों में करेंगे 'जी, ओ, ए, टी टूर'

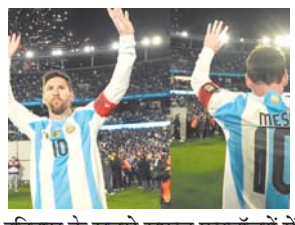

मुंबई। फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबर है। दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी एक बार फिर भारत आ रहे हैं। उनका तीन दिवसीय 'जी, ओ, ए, टी टूर' 13 से 15 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें वह कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे। यह मेसी का 2011 के बाद भारत का दूसरा दौरा है, जब उन्होंने सॉल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ यादगार मैच खेला था। मेसी हाल ही में अपने करियर की 48वीं ट्रॉफी जीतकर इतिहास के सबसे सफल फुटबॉलरों में शामिल हुए हैं। उनके इस दौरे को और खास बनाने के लिए आयोजक सतद्रु दत्ता ने मेसी के लंबे समय के साथी लुइस सुआरेज़ और अर्जेंटीना टीम के विश्व कप विजेता खिलाड़ी रॉड्रिगो डि पॉल को भी टूर का हिस्सा बनाया है। मेसी के सार्वजनिक कार्यक्रमों के टिकट 'डिस्ट्रिक्ट' एप पर उपलब्ध हैं। ज्यादातर शहरों में टिकट कीमत 4,500 रुपये से शुरू होती है, जबकि मुंबई में शुरुआती कीमत 8,250 रुपये है। कई कार्यक्रमों के कम कीमत वाले टिकट पहले ही बिक चुके हैं। मेसी मियामी से दुबई होते हुए देर रात कोलकाता पहुंचेंगे। सुबह मीट-एंड-ग्रीट, प्रतिमा के वर्चुअल उद्घाटन के बाद वे युवा भारती स्टेडियम पहुंचेंगे। यहां शाहरुख खान, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, विराट कोहली और सौरव गांगुली से मुलाकात के बाद वह एक फ्रेंडली मैच में शामिल होंगे। राजीव गांधी स्टेडियम में मेसी 717 फुटबॉल मैच खेलेंगे, जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी भाग लेंगे।

सम्मान पाने वाले सबसे युवा और पहले एशियाई, 'वनतारा' को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

वन्यजीव संरक्षण के लिए अनंत अंबानी को मिला ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड

सांध्यप्रकाश विशेष

वाशिंगटन। अमेरिका में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय समारोह में वन्यजीव संरक्षण और पशु कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अनंत अंबानी को प्रतिष्ठित 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'वनतारा' के माध्यम से घायल, बीमार और संकटग्रस्त जानवरों के बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण में निभाई गई नेतृत्वकारी भूमिका के लिए दिया गया। इस उपलब्धि के साथ अनंत अंबानी इस अवॉर्ड को प्राप्त करने वाले सबसे युवा और पहले एशियाई व्यक्ति बन गए हैं, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

कई वैश्विक नेताओं और चर्चित हस्तियों को मिल चुका अवॉर्ड

इससे पहले यह सम्मान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी और बिल क्लिंटन सहित कई वैश्विक नेताओं और चर्चित हस्तियों को मिल चुका है। अनंत अंबानी को मिले इस अवॉर्ड ने एक बार फिर 'वनतारा' को अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा का केंद्र बना दिया है। वनतारा आज दुनिया के सबसे बड़े और अनूठे वन्यजीव संरक्षण प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है, जहां न केवल जानवरों का इलाज और देखभाल की जाती है, बल्कि विलुप्त होती प्रजातियों के संरक्षण और पुनर्वास पर भी लगातार काम हो रहा है।

अवॉर्ड अधिक समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता

अवॉर्ड स्वीकार करते हुए अनंत अंबानी ने कहा कि यह सम्मान उन्हें 'सर्वभूत हित' यानी सभी जीवों की भलाई के मार्ग पर और अधिक समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि जानवर हमें संवेदनशीलता और संतुलन का महत्व सिखाते हैं और वनतारा का उद्देश्य हर जीव को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन देना है। कार्यक्रम के आयोजक 'ग्लोबल ह्यूमन सोसाइटी' ने वनतारा को पशु कल्याण का एक वैश्विक मॉडल बताते हुए इसकी सराहना की। आयोजकों के अनुसार, वनतारा केवल एक रेस्क्यू सेंटर नहीं, बल्कि इलाज, देखभाल और संरक्षण को एक साथ जोड़ने वाला ऐसा मॉडल है, जो अब पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन चुका है। इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कई दिग्गज विशेषज्ञ और शोधकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने अनंत अंबानी और वनतारा के प्रयासों की खुले दिल से प्रशंसा की।

फिर विवादों में घिरा तिरुपति मंदिर, 54 करोड़ का दुपट्टा घोटाला, एसीबी ने संभाली जांच

नई दिल्ली। सांध्यप्रकाश। लड्डू घोटाले के बाद अब तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) एक नए बड़े भ्रष्टाचार मामले में घिर गया है। 2015 से 2025 के बीच ञ्ञष्ठ को 'शुद्ध सिल्क' बताकर सप्लाई किए गए दुपट्टों में भारी फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। जांच में सामने आया कि जिन दुपट्टों को मुलबेरी सिल्क बताया गया, वे वास्तव में 100% पॉलिएस्टर के थे। कॉन्ट्रैक्टर ने इन दुपट्टों को प्रति पीस 1,300 रुपये से अधिक कीमत पर बेचा, जबकि उनकी वास्तविक बाजार कीमत लगभग 350 रुपये थी। कुल मिलाकर TTD को 54 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सतर्कता विभाग द्वारा लिए गए सैंपल सेंट्रल सिल्क बोर्ड और अन्य लैब्स में परीक्षण के बाद यह खुलासा हुआ कि दुपट्टों में सिल्क का अंश तक नहीं था। दुपट्टे भक्तों को प्रसाद स्वरूप दिए जाते हैं और वेदाशीर्वचनम् जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में उपयोग होते हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

TTD चेयरमैन बी.आर. नायडू के निर्देश पर हुई आंतरिक जांच के बाद मामला एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) को सौंप दिया गया। TTD ने सप्लाई करने वाली कंपनी के सभी टेंडर रद्द कर उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। पहले भी TTD नकली घी विवाद और परकामानी विभाग में चोरी जैसे मामलों से घिर चुका है। यह नया घोटाला मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता और आंतरिक निगरानी पर गंभीर सवाल उठाता है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि यह फर्जीवाड़ा 10 वर्षों तक कैसे चलता रहा और किन अधिकारियों की इसमें भूमिका थी। आगे और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

राजधानी का आकर्षक दृश्य

स्वच्छ भारत का नंबर दो और मध्य प्रदेश की राजधानी साफ सुथरा भोपाल का एक विहंगम दृश्य। छायाकार जगदीश कौशल भोपाल

उज्जैन महाकाल मंदिर में नए साल से लागू होगा नया नियम अनिवार्य हुआ पहचान पत्र और ड्रेस कोड

उज्जैन , सांध्यप्रकाश। उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में नए साल 2026 से एक महत्वपूर्ण और व्यवस्थागत बदलाव लागू कर दिया गया है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार अब सभी पुजारी, पुरोहित और उनके प्रतिनिधियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड अनिवार्य होगा। साथ ही उन्हें अपनी पहचान स्पष्ट करने के लिए आईडी कार्ड भी प्रदर्शित करना होगा। यह व्यवस्था सुरक्षा, अनुशासन और पहचान सत्यापन को मजबूत करने के उद्देश्य से लागू की गई है। यह ड्रेस कोड संबंधी प्रावधान केवल मंदिर के पुजारी, पुरोहित, उनके प्रतिनिधियों और मंदिर सेवा से जुड़े कर्मचारियों पर ही लागू होगा।

इसलिए उठाया गया यह कदम

महाकाल मंदिर में हाल के समय में दर्शनार्थियों की संख्या में तेज़ वृद्धि देखी गई है। त्योहारों, खास आयोजनों और साधारण दिनों में उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच सुरक्षा कर्मियों के लिए असली कर्मचारियों और प्रतिनिधियों की पहचान करना कई बार चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा था। इसके अलावा, कुछ अवसरों पर गैर-पंजीकृत लोग स्वयं को मंदिर सेवक या प्रतिनिधि बताकर प्रवेश करने की कोशिश भी कर चुके थे। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति ने अब अधिक कड़ी और सुव्यवस्थित व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

ऐसी होगी ड्रेस

मंदिर प्रशासन एक निर्धारित वेशभूषा लागू करने की प्रक्रिया में है, जिसमें रंग, डिज़ाइन और पहनने की शैली पूरी तरह समान रखी जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि भीड़भाड़ वाले समय में भी पुजारियों और प्रतिनिधियों की पहचान तुरंत हो सके। साथ ही, इस पोशाक को उनकी पारंपरिक शैली से सामंजस्य रखते हुए तैयार किया जा रहा है, ताकि ड्रेस कोड लागू होने के बावजूद सांस्कृतिक स्वरूप बना रहे।

सोशल मीडिया से

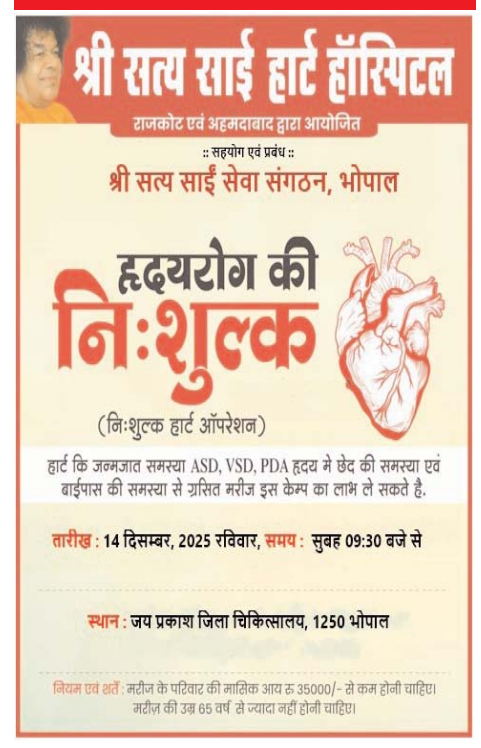

Jagdish Kaushal
11 Dec 2022 ·

विश्व विख्यात सितार वादक भारत रत्न पंडित रविशंकर जी को पुण्यतिथि के अवसर पर सन 1962 में मैहर में क्लिक किया गया यह फोटो फेसबुक के सभी मित्रों के लिए प्रेषित कर रहा हूं साथ ही अपनी विनम्र श्रद्धांजलि उनके श्री चरणों में अर्पित कर रहा हूं

कविता

देवी प्रसाद मिश्र

प्रतापगढ़ (उत्तरप्रदेश) में जन्मे कवि देवी प्रसाद मिश्र भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार, संस्कृति पुरस्कार और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हैं। प्रार्थना के शिल्प में नहीं, जिधर कुछ नहीं, मनुष्य होने के संस्मरण कृतियां प्रकाशित हैं।

बर्बरता का समान वितरण

राज्य
संविधान के नीति निर्देशक तत्वों के अनुरूप
आय का समान वितरण न कर सका
तो उसने क्रूरता का समान वितरण कर दिया
जो मुझे सड़क पर मारने आता है वह कुछ वैसा ही बर्बर है
जो मुझे नहीं बचाता वह अधिक बर्बर है
मेरे पास वहाँ से निकल भागने की कातर हिंसा है मैं
उसका इस्तेमाल शायद अपनी स्त्री के विरुद्ध करूँगा
पारस्परिक क्रूरता की यह बहुत लंबी रात है जहाँ
नागरिकता नहीं राज्य का कोई तिलिस्मी स्थापत्य सुरक्षित है

आईएचएम 14 को प्रस्तुत करेगा भव्य मेगा क्यूलिनरी शोकेस

भारत का सबसे लंबा सेंडविच 250 फीट लंबा और 8 इंच चौड़ा बनाने का प्रयास

भोपाल, सांध्यप्रकाश। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, भोपाल पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत भारत के प्रमुख हॉस्पिटेलिटी संस्थानों में से एक गर्व के साथ एक ऐतिहासिक क्यूलिनरी पहल की घोषणा करता है, जिसके तहत भारत का सबसे लंबा सैंडविच बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी लंबाई 250 फीट और चौड़ाई 8 इंच होगी। यह अद्वितीय क्यूलिनरी प्रदर्शन 14 दिसंबर को आईएचएम भोपाल परिसर में आयोजित किया जाएगा। यह पहल भोपाल की हॉस्पिटेलिटी पहचान को राष्ट्रीय मंच पर एक सशक्त उपस्थिति के रूप में स्थापित करेगी। पहली बार, आईएचएम भोपाल भारत के सबसे लंबे सैंडविच का रिकॉर्ड बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, जो संस्थान की नवाचार, अनुभवात्मक शिक्षण और बड़े पैमाने पर क्यूतिनरी उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रयास संस्थान के उस विज़न को मजबूत करता है, जिसके तहत छात्रों को वास्तविक जीवन के परिचालन अनुभव प्रदान किए जाते हैं और आधुनिक हॉस्पिटेलिटी शिक्षा में आईएचएम भोपाल की अग्रणी भूमिका सुदृढ़ होती है।

शिव शेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं प्रबंध संचालक, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अनुसार 90 से अधिक छात्र और 30 से अधिक स्टाफ सदस्य, फूड प्रोडक्शन एवं फूड एंड बेवरेज सर्विस विभागों के विशेषज्ञ फैकल्टी के मार्गदर्शन में इस भव्य क्यूलिनरी चुनौती को साकार करेंगे। यह कार्यक्रम अमूल द्वारा प्रस्तुत, वीबा के सहयोग से और बे-बे फार्मा द्वारा पावर्ड है। जो मजबूत इंडस्ट्री साझेदारी का परिचायक है।

250 फीट लंबा और 8 इंच चौड़ा सेंडविच भारत का रिकॉर्ड बनाने का प्रयास प्रशिक्षित छात्रों और फैकल्टी की बड़े पैमाने पर भागीदारी शहर के प्रमुख होटलियर, इन्फ्लुएंसर, सेलिब्रिटी शेफ और उद्योग नेताओं की उपस्थिति रिकॉर्ड सेटिंग प्रयास की विस्तृत मीडिया और वीडियोग्राफी कवरेज जीरो-वेस्ट पहल सम्पूर्ण सैंडविच का वितरण उपस्थित मेहमानों एवं लाभार्थियों को किया जाएगा। डॉ सारिन ने बताया कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों को बड़े पैमाने पर क्यूलिनरी क्रियान्वयन और टीमवर्क का अनूठा अवसर प्रदान करता है। भारत का सबसे लंबा सैंडविच बनाने का हमारा प्रयास आईएचएम भोपाल की नवाचार भावना, समर्पण और सीखने की संस्कृति को दर्शाता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड प्रयास नहीं, बल्कि रचनात्मकता और हॉस्पिटैलिटी का उत्सव है। डॉ सारिन के नेतृत्व में आईएचएम भोपाल सतत अनुभव आधारित एवं कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करते हुए हॉस्पिटेलिटी उद्योग की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में अग्रसर है।

रणजीत हनुमान मंदिर में दीपोत्सव भक्तों ने जलाए 51 हजार दीप

इंदौर। सांध्यप्रकाश। इंदौर के प्रसिद्ध रणजीत हनुमान मंदिर में चल रहे चार दिवसीय 'रणजीत महोत्सव' के दूसरे दिन आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंगलवार को मंदिर परिसर 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। इस भव्य दीपोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने घरों से ही दीपक लेकर पहुंचे थे। शाम ढलते ही मंदिर का नजारा अलौकिक हो गया। भक्तों ने न केवल दीप प्रज्वलित किए, बल्कि उत्साह में फूलझड़ियां भी जलाईं, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। मंदिर प्रबंधन द्वारा की गई विशेष सजावट और हजारों दीपों की कतारों ने रणजीत हनुमान के दरबार को और भी दिव्य बना दिया।

भजन संध्या में झूमे भक्त

दीपोत्सव के बाद मंदिर परिसर में एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजनों की धुन पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते नजर आए। यह महोत्सव चार दिनों तक चलेगा, जिसमें हर दिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

घर से दीपक लेकर पहुंचे श्रद्धालु

मंदिर समिति के आह्वान पर भक्त अपने साथ घरों से दीपक, तेल और बाती लेकर आए थे। मंदिर के कोने-कोने को रोशन करने में हर भक्त ने अपना योगदान दिया। दीपोत्सव के चलते मंदिर के आसपास का पूरा क्षेत्र रोशनी से नहाया हुआ नजर आया। रणजीत महोत्सव इंदौर के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहां हर साल हजारों की संख्या में भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं।

भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ 4 से, संत गौ रक्षा उत्थान समिति ने किया ध्वजा पूजन किया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। संत गौ रक्षा उत्थान समिति के तत्वाधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ 4 से 10 जनवरी में आयोजित कथा के लिए आज सिंगर चोली ब्रिज पंचवटी लालघाटी के नीचे ध्वजा पूजन किया गया जिसमें चित्रकूट धाम से कथा व्यास आचार्य कृपा शंकर जी महाराज बागेश्वर धाम के मामा कथा का वाचन करेंगे कार्यक्रम के संयोजक योगेश वासवानी कार्यक्रम के अध्यक्ष राधे महाराज जी एवं राहुल राजपूत जी श्याम विजयवर्गीय जी क्षेत्र की पार्षद कुसुम चतुर्वेदी अनीता मिश्रा पंडित रामकृष्ण शर्मा रवि पटेरिया वृंदावन गर्ग आदि सभी लोगों ने मिलकर ध्वज पूजन किया गया

जैन समाज का सबसे बड़ा परिचय सम्मेलन जीरो वेस्ट होगा, 5339परिवार करेंगे योग्य वर वधू की तलाश

भोपाल, सांध्यप्रकाश। देश के दिगंबर जैन समाज के सबसे बड़े अखिल भारतीय युवक युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ 13 दिसंबर को होने जा रहा है 13 से 15 दिसंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय परिचय सम्मेलन में लगभग 5339 परिवार योग्य वर वधु की तलाश करेंगे, आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी प्रवक्ता सुनील जैनाविन ने बताया, देश की सर्वाधिक प्रविष्टियां वाला यह परिचय सम्मेलन मातृ सम्मेलन ही नहीं बल्कि संपूर्ण जैन समाज का एक परिवार बन गया है,, इस मंच से अभिभावक अपने लिए परिवार के लिए सुयोग्य बहू और दामाद की तलाश करते हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोहर लाल टोंग्या की अगुवाई में आयोजन समिति निरंतर तैयारी में लगी हुई है,, इस बार का सम्मेलन पूरी तरह जीरो वेस्ट होगा सिंगल उसे प्लास्टिक का उपयोग नहीं होगा पीने के लिए तांबे का लोटा चाय के लिए कुल्हड़ और भोजन के लिए स्टील के बर्तन रहेंगे,,, इस बार लगभग 5339 रजिस्ट्रेशन हुए हैं,, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतो के साथ-साथ विदेश से उच्च शिक्षित युवक युवतियों का रजिस्ट्रेशन अधिक हुए हैं,, विदेश से यूसए यूके कनाडा कुवैत नार्वे इटली मलेशिया जिम्बाम्बे हॉन्ग कोंग आदि देशों से रजिस्ट्रेशन हुए हैं,, आयोजन स्थल पर विशाल एलईडी लगाई जाएगी इस पर सभी प्रत्याशियों का बायोडाटा लगातार उपलब्ध रहेगी वर वधु के लिए अलग अलग बहुरंगी स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है जिसमें सभी प्रत्याशियों का सचित्र डाटा उपलब्ध रहेगा बेब साइट के माध्यम से भी प्रत्याशियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे,,,, प्रवक्ता सुनील जैनाविन ने बताया सभी अतिथियों के लिए स्वागत में औषधीय पौधों का वितरण होगा देश विदेश से आने वाले प्रत्याशियों विवाह को रिश्तेदारों के लिए उचित आवास भोजन की व्यवस्था के साथ-साथ अपने-अपने स्तर पर आयोजन समिति तैयारी में जुटी हुई है समिति के प्रमुख पदाधिकारी अध्यक्ष मनोहर लाल टोंगिया नरेंद्र टोंगिया ,इंजीनियर विनोद जैन, अशोक जैन ,प्रमोद हिमांशु, मयंक जैन(आई टी), सुनील पटेल ,राजकुमार चौधरी ,विजय नूना , विजय वोहरा, संजय मुंगाबली , आनंद, विकास जैन सभी टीम के साथ सिलसिलेवार अपने अपनी व्यवस्थाओं में लगे है।

भोपाल, सांध्यप्रकाश। महापौर मालती राय ने वार्ड 31 जोन 7 तुलसी नगर में नवनिर्मित मानव औषधि पार्क का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष बृजुला सचान एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हर सड़क, हर पुल, हर परियोजना जनता के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने की हमारी संकल्पना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग की ली समीक्षा बैठक

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, रोज़गार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रगति का आधार हैं। विभाग का उद्देश्य प्रत्येक निर्माण कार्य को सिर्फ एक तकनीकी परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को सुधारने वाले साधन के रूप में देखना है,गुणवत्ता,पारदर्शिता और नवाचार के साथ प्रत्येक परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, यही प्रयास 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को साकार करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विभाग द्वारा 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को धरातल पर उतारने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की आधारभूत संरचना का विकास ही जनकल्याण का आधार है और विभाग ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, हर सड़क,हर पुल, हर परियोजना जनता के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने की हमारी संकल्पना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने निर्देश दिए कि मेट्रोपॉलिटन एरिया और समीपवर्ती क्षेत्रों में राजमार्गों का घनत्व बढ़ायें। पूरे प्रदेश को समावेशित कर समग्र विकास पर कार्य करें। शीघ्र ही जबलपुर और ग्वालियर को भी मेट्रोपोलिटन क्षेत्र घोषित किया जाएगा। शहरी, ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों सभी को अधोसंरचना विकास का लाभ प्राप्त हो इस आधार पर प्रस्ताव की परिकल्पना की जाये।राजमार्गों का घनत्व राष्ट्रीय स्तर के समीप ले जाने के लिए विज़न डॉक्यूमेंट के आधार पर प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव में स्थानीय मांगों और सुझावों को यथोचित स्थान दिया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपर मुख्य सचिव क्षेत्रों के समग्र विकास अनुसार कार्ययोजना का निर्धारण करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि शहरी विकास की इंटीग्रेटेड पॉलिसी के निर्माण में लोक निर्माण विभाग को भी शामिल किया जाये। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना विकास में पर्यावरण समन्वय का विशेष ध्यान रखा जाये। सतत संवहनीय विकास के लिए सूरत के डायमंड पार्क की तर्ज में भवनों का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग संकल्पना पर किया जाये। बिजली और पानी की बचत सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भवन निर्माण में वास्तु-विज्ञान का ध्यान रखा जाये। ताकि सूर्य की रोशनी, हवा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित हो और ऊर्जा की बचत की जा सके। एक्सप्रेस-वे आधुनिक समय की मांग है। इन अधोसंरचनाओं के विकास में ग्रामीण क्षेत्र की सुविधाओं का ध्यान रखा जाये। आवश्यकतानुसार फ्लाई-ओवर, अंडर-पास, सर्विस लेन को प्रस्ताव में शामिल करें। बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ-2028 के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। प्रस्तावित कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है। दिसम्बर माह के अंत तक कार्य प्रारंभ हो जायेंगे। उन्हेंने निर्देश दिए कि कार्यों को जून-2027 तक पूर्ण किया जाये।

बैठक में बताया गया कि लोकपथ ऐप में प्राप्त 12 हज़ार 212 शिकायतों में से 12 हज़ार 166 का निराकरण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकपथ ऐप के उत्कृष्ट उपयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकपथ ऐप में रियल टाइम सड़क की स्थिति को भी अपडेट किया जाये। साथ ही इसका प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाये ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बताया कि लोकपथ ऐप में आगे स्थलों के बीच की दूरी, समस्त वैकल्पिक मार्ग, पर्यटन स्थल, चिकित्सा सेवाएं, ब्लैक स्पॉट, टोल का शुल्क अन्य सुविधाओं को भी मैप किया जाएगा। यह स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ आगंतुकों के लिए भी उपयोगी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय एवं राज्य के राजमार्गों में सतत संधारण सुनिश्चित किए जाये। प्रकाश, ग्रीनरी और सावधानी मार्कर्स मानक अनुसार रहें यह भी सुनिश्चित किया जाये।

दो वर्ष की उपलब्धियाँ

दो वर्षों में मध्यप्रदेश ने 12 हजार किमी सड़क निर्माण, उन्नयन और सुदृढ़ीकरण कर अभूतपूर्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिससे राज्य का 77 हजार 268 किमी का सड़क नेटवर्क देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभाग ने 99% तक वित्तीय लक्ष्य हासिल कर समयबद्ध क्रियान्वयन और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

'लोक पथ' मोबाइल ऐप के माध्यम से 12,212 शिकायतों में से 12,166 शिकायतों का निवारण कर 99.6% समाधान दर प्राप्त की, जिससे विभाग की पारदर्शिता और जनसहभागिता मजबूत हुई।

सारंगपुर हनुमान मंदिर गुजरात

विनोद नागर को उज्जैन में मिलेगा साहित्य गौरव सम्मान

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी के वरिष्ठ लेखक, पत्रकार, समीक्षक और स्तंभकार विनोद नागर को 'साहित्य गौरव' सम्मान देने की घोषणा की गई है। उन्हें यह सम्मान आगामी 14 दिसम्बर को उज्जैन में मौनतीर्थ हिन्दी विद्यापीठ द्वारा

आयोजित पाँचवे राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान होने वाले सारस्वत सम्मान समारोह-2025 में प्रदान किया जाएगा। अभी तक उनकी 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। विनोद नागर को इसी वर्ष मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी का नरेश मेहता सम्मान भी मिला है। इससे पूर्व लेखन और पत्रकारिता के क्षेत्र में श्री नागर को उनके सुदीर्घ योगदान के लिये बालकवि बैरागी शिखर सम्मान सहित तुलसी साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश लेखक संघ, दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय, अभिनव कला परिषद्, अखिल हिन्दी साहित्य सभा, साहित्य गंगा, कादंबरी, संपादक संघ सम्मान आदि से नवाज़ा जा चुका है।

साहित्य अकादमी का 'नरेश मेहता सम्मान' उनकी 2022 में प्रकाशित कृति 'सिने सरोकार' के लिये दिया गया, जिसमें सिनेमा के सामाजिक सरोकारों को तलाशते 50 से अधिक आलेख संकलित हैं। भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य को रेखांकित करती यह पुस्तक लेखक ने अपने समय की लोकप्रिय फिल्म पत्रिका 'माधुरी' के मूर्धन्य संपादक स्मृतिशेष अरविन्द कुमार को समर्पित की है, जिन्होंने सत्तर और अस्सी के दशक में श्री नागर के अनेक लेख इस पत्रिका में प्रकाशित किये। गौर तलब है कि वरिष्ठ फिल्म समीक्षक के रूप में श्री नागर की भारत में हिन्दी फिल्मों की पहली जुड़वाँ पुस्तकें- 'सुबह सवेरे का सिने विमर्श' और 'सिने विमर्श सुबह सवेरे का' भी काफी चर्चित रही हैं। 'प्रजातंत्र में बातें फिल्मों की' शीर्षक से प्रकाशित उनकी एक अन्य पुस्तक कोरोना काल में सहमे बॉलीवुड की कसक को बयाँ करती है। उज्जैन में जन्में और पले-बढ़े श्री नागर की पचास साल (1971 से 2021) की शब्द यात्रा को समेटे छह खण्डों वाला रचना समग्र ज्ञानमुद्रा प्रकाशन से छपकर आया है। इस रचना समग्र की पुस्तकों- 'आस-छपास' 'छपा-अनछपा' 'लिखा तो छपा' 'खूब लिखा-खूब छपा' 'सिने झरोखा' और 'सिने सरोकार' को यथोचित सराहना मिली है। उन्होंने अपने दिवंगत पिता (स्व.) श्री रामवल्लभ नागर की आत्मकथा 'सबकी अपनी राम कहानी' का संपादन भी किया है।

भोपाल में YouthyChange अभियान का भव्य पोस्टर लॉन्च

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी भोपाल में आज YouthyChange जन-जागरूकता अभियान का भव्य पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान , प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार, कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग जी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने आयोजक राजेन्द्र राठौर (मालवा टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड) को इस सामाजिक अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके प्रयासों की प्रशंसा की। यह अभियान आगामी 14 दिसंबर से इंदौर से प्रारंभ होगा और मोहन सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस दिन को 'संकल्प दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत पूरे मध्यप्रदेश के युवा यह संकल्प लेंगे कि वे नशे से दूर रहेंगे एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे। कार्यक्रम के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर विवेक पांडे ने इस अवसर पर प्रदेशभर के युवाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर इसे एक जन-आंदोलन का रूप दें और इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। इन 14 दिसंबर को किस अभियान की इंदौर से शुरुआत की जाएगी जबलपुर रीवा सागर ग्वालियर उज्जैन के बाद राज्य स्तरीय समापन समारोह भोपाल में आयोजित किया जाएगा। यह अभियान मालवा टॉकीज प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

ब्राह्मण समाज पर आपत्तिजनक टिप्प्पणी बर्दाश्त नहीं

भोपाल, सांध्यप्रकाश। एमपी कैडर के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों को 'दान' से जोड़कर दिए गए अपमानजनक और असंवेदनशील बयान के विरोध में 65 ब्राह्मण संगठन कल सड़कों पर उतरने जा रहे हैं। समाज का स्पष्ट कहना है कि एक संवैधानिक पद पर बैठे अधिकारी द्वारा इस प्रकार की टिप्पणी न केवल ब्राह्मण समाज बल्कि भारत की सामाजिक मर्यादा और प्रशासनिक गरिमा पर सीधा हमला है। इस बयान के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग के साथ व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

जल जीवन मिशन का कार्य निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2028 के पहले होगा पूर्ण : डॉ. यादव

प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

जल स्रोतों में सीवरेज का दूषित जल मिलने से रोकने की बनायें कार्य-योजना

जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच एवं स्व-सहायता समूहों को किया जाएगा सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में दिये निर्देश

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जल स्रोतों में सीवरेज का दूषित जल किसी भी स्थिति में नहीं मिले और इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन मध्यप्रदेश इस कार्य को मार्च 2027 तक पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल पेश करेगा। उन्होंने कहा कि मिशन के संचालन-संधारण के लिए मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी परिस्थिति में जल आपूर्ति प्रभावित न हो।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंचों और महिला समूहों को राज्य, संभाग, जिला और ग्राम स्तर पर सम्मानित किया जाए। विगत 10 वर्षों में जिन .ग्रामों को जल संकट का सामना करना पड़ा है, उनकी रिपोर्ट तैयार कर उन क्षेत्रों में जल प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता के अनुसार जल वितरण का समय तय किया जाए, जिससे नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। मिशन के प्रभाव का विश्लेषण अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के माध्यम से कराए जाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँव के ऐसे ट्यूबवेल की सूची बनवाएं, जिनमें हमेशा पानी रहता हो और ट्यूबवेल मालिक सेवाभावी हों। जरूरत पड़ने पर इनके ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति कराने का प्रयास करें।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जल जीवन मिशन के कार्यों के समुचित संचालन-संधारण के लिये प्रभावी योजना बनाने की बात कही। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री श्री नीरज मण्डलोई, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी और प्रबंध संचालक जल निगम श्री के.वी.एस. चौधरी भी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि ने बताया कि अब तक प्रदेश में 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं और मिशन की कुल प्रगति 72.54 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में 8.19 लाख कनेक्शन का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा किया गया है और वर्ष 2025-26 में अब तक 5.50 लाख कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।

बोरवेल दुर्घटना रोकने कानून बनाने वाला पहला राज्य

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश बोरवेल दुर्घटना रोकने के लिए कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य है। साथ ही 'स्वच्छ जल से सुरक्षा अभियान' में प्रदेश को पूरे देश में प्रथम स्थान मिला है। वर्ष 2024-25 में 12,990 करोड़ रु. का व्यय कर 92.89 प्रतिशत वित्तीय लक्ष्य हासिल किया गया है। वर्ष 2025-26 में 6,016 करोड़ रु. का व्यय किया गया है, जो 30 सितंबर 2025 तक 35.11 प्रतिशत की प्रगति दर्शाता है। प्रदेश में 21,552 ग्राम 'हर घर जल' घोषित किए जा चुके हैं तथा 15,026 ग्रामों को प्रमाणित किया जा चुका है। समूह नल जल योजनाओं के माध्यम से 3,890 ग्रामों में नियमित जल आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है और एकल नल जल योजनाएँ 93 प्रतिशत प्रगति के साथ तेजी से पूर्णता की ओर अग्रसर हैं।

विभाग द्वारा तकनीकी और डिजिटल मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी जा रही है। जल रेखा मोबाइल ऐप के माध्यम से योजनाओं की सतत निगरानी की जा रही है। राज्य की सभी 155 प्रयोगशालाओं को एनएबीएल मान्यता प्राप्त हो चुकी है। ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से डिजिटल जल कर संग्रह व्यवस्था लागू की गई है। इंदौर में ढ्ढश्वञ्ज (इंटरनेट ऑफ थिंक्स) आधारित जल आपूर्ति मॉडल सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इसे अन्य जिलों में भी विस्तार दिया जा रहा है।

ऊर्जा प्रबंधन को देखते हुए 100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना क्क्कमॉडल पर स्वीकृत की गई है, जिससे आने वाले 25 वर्षों तक सस्ती और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त 60 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना पर भी कार्ययोजना तैयार की गई है। नागरिकों की सुविधा के लिए जलदर्पण पोर्टल संचालित है तथा शिकायत निवारण हेतु कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं। अभी 64 ग्रामों में 24म7 जल आपूर्ति पायलट रूप में सफल रही है, जिसे आगे और विस्तृत किया जाएगा।

बैठक में भविष्य के विजन पर जानकारी देते हुए बताया गया कि आगामी तीन वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक सुरक्षित नल-जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। जल स्रोतों के संरक्षण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, डिजिटल प्रबंधन, तकनीकी क्षमता संवर्धन और ऊर्जा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नए ग्राम, बसाहट, विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान और महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों में पेयजल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि मध्यप्रदेश जल प्रदाय व्यवस्था में देश का अग्रणी राज्य बन सके।

खजुराहो कैबिनेट में बुंदेलखंड को हजारों करोड़ की मिली विकास कार्यों की बड़ी सौगातेंः मंत्री राजपूत

भोपाल, सांध्यप्रकाश। खजुराहो में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बुंदेलखंड के लिए केबिनेट बैठक का दिन स्वर्णिम रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर को महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें देकर सागर के विकास की नई इबारत लिखी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि केबिनेट में बुंदेलखंड एवं सागर के लिए हजारों करोड़ की सौगातें दी हैं, जिससे सागर विकास के नये आयामों को छुएगा। यहां के युवाओं को रोजगार से जोड़कर विकास की नई कहानी लिखी जायेगी, वहीं पर्यटन के क्षेत्र में नया इतिहास रचने की घोषणा भी हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सागर में 608.93 हेक्टेयर भूमि पर 25 हजार करोड़ की लागत से नया उद्योग क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। इससे 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं दूसरी ओर नौरादेही अभयारण्य में जुलाई माह में 4 चीतों को बसाया जायेगा। इससे क्षेत्र में स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि सागर से दमोह फोरलेन सड़क, छतरपुर तथा दमोह में नये मे?डिकल कॉलेज के लिये नये पदों का सृजन किया जायेगा। साथ ही बीना में 100 बिस्तरीय अस्पताल बनेगा। इससे सागर विकास की ऊँचाइयों तक पहुँचेगा। मंत्री श्री राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सागर तथा बुंदेलखण्ड के लिये दी गई सौगातें विकास के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगी।

25 हजार करोड़ से विकसित होगा नया औद्योगिक क्षेत्र

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उद्योगों के लिए भी सागर को विशेष पैकेज प्रदान किया गया है। इसके तहत रिछोड़ा के पास 25 हजार करोड़ की लागत से नया औद्यौगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा, जिसमें लगभग 30 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मसवासी ग्रंट औद्योगिक क्षेत्र के लिये स्वीकृत विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज में भूमि टोकन शुल्क मात्र एक रुपये प्रति वर्गमीटर, किराया और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूर्ण छूट एवं बिजली दरों में रियायत शामिल है।

जुलाई माह में आयेंगे नौरादेही में 4 चीते

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जब प्रधानमंत्री कूनो में चीता लेकर आये थे तो पूरे देश को बड़ी खुशी हुई थी और अब बुंदेलखंड में पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. यादव जुलाई माह में नौरादेही अभयारण्य में 4 चीते छोड़ेंगे, यह हमारे लिए गर्व की बात है। इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी सागर जिले को बड़ी उपलब्धि है। नौरादेही अभयारण्य को प्रदेश का तीसरा चीता आवास के रूप में विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति दी गई है। यह क्षेत्र में पर्यावरणीय संरक्षण और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की सकारात्मक पहल है।

सागर-दमोह फोरलेन निर्माण को 2059 करोड़ मंजूर

मंत्री राजपूत ने बताया कि केबिनेट बैठक में सागर-दमोह मार्ग को 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ विकसित करने के लिए 2059.85 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। 76.680 किमी लंबे इस मार्ग का निर्माण हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) के अंतर्गत किया जाएगा। परियोजना में 13 अंडरपास, 3 फ्लाईओवर, 9 मिडियन, 1 आरओबी तथा 13 पुल-पुलिया निर्माण का प्रावधान है। भूमि अर्जन और अन्य कार्यों पर 323.41 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इससे सागर दमोह भोपाल जबलपुर जाने वालों के लिए आवागमन सुलभ होगा।

100 बेड का होगा बीना अस्पताल, पद सृजन को मंजूरी

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बीना सिविल अस्पताल की क्षमता 50 से 100 बिस्तर तक बढ़ाने और नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। इससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी।

जीवन की श्रेष्ठता

निश्चित ही मानव जीवन की प्राप्ति अति दुर्लभ है और उससे भी अधिक दुर्लभ है, इस जीवन को किसी श्रेष्ठ लक्ष्य की प्राप्ति में लगा देना।

जीवन मिलने से भी महत्वपूर्ण बात है, श्रेष्ठ मार्ग का मिल जाना। सेवा में अपने समय का निवेश कीजिए क्योंकि सेवा ही वो निवेश है जो कभी विफल नहीं होता और जिसमें शत प्रतिशत लाभ भी सुनिश्चित है। हमारे पास जो भी है और जितना भी है सब उस प्रभु का दिया ही है।

हमारे कोठी-बंगला, मकान-दुकान ही नहीं अपितु एक-एक स्वास भी प्रभु की कृपा से ही प्राप्त है। पुरुषार्थ हमारा है पर पुरुषार्थ का बल प्रभु द्वारा प्रदत्त है एवं ज्ञान हमारा हो सकता है पर ज्ञान अर्जन की बुद्धि प्रभु द्वारा प्रदत्त है। बिना विद्युत ऊर्जा के बड़े से बड़ा यंत्र भी निष्क्रिय ही है और बिना ईश्वरीय ऊर्जा के हमारा जीवन भी निष्क्रिय ही है। सब जीवों में प्रभु की उपस्थिति का बोध करते हुए उनकी सेवा और सहयोग का भाव ही इस मानव जीवन की मानवता और श्रेष्ठता है।

संपादकीय

नियामक संस्थाओं पर देना होगा ध्यान

क्या वास्तव में देश की नियामक संस्थाएं सही काम कर रही हैं? क्या कफ सिरप से लेकर इंडिगो तक के मामले नियामक संस्थाओं की भूमिका सही थी? और भी तमाम सवाल आज उठ रहे हैं, हालांकि सवालों से परे तो चुनाव आयोग जैसी संस्था भी नहीं है, लेकिन उसे बार-बार बचा लिया जाता है।

कुछ ही दिन पहले जिस विषाक्त कफ सीरप कोल्ड्रिफ ने मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में बच्चों की जान ले ली थी, उसके मामले में भी यही बात सामने आई थी कि नियामक संस्थाओं ने अपना काम सही तरह नहीं किया। देश में दवा निर्माण के लिए नियामक संस्था-केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ नियम तय करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देने, दवा निर्माण इकाइयों के निरीक्षण और दवाओं के नमूनों का परीक्षण किए जाने जैसे काम राज्य औषधि नियामक प्राधिकरण करते हैं। लेकिन यथार्थ यह है कि इनकी भूमिका केवल कागजी ही दिखाई देती रही है।

और यही स्थिति आज देश भर में चल रही आसमानी आफत के मामले में सामने आ रही है। विमानन सेवाओं की नियामक संस्था डीजीसीए की भूमिका पर लगातार उंगली उठती आ रही है। इंडिगो एयरलाइन ने डीजीसीए के बनाए नियमों को लागू करने के स्थान पर उनकी अनदेखी करने का फैसला किया और वह भी तब, जब अन्य एयरलाइंस के साथ उसे भी इसके लिए करीब दो वर्ष का समय मिला था। अन्य एयरलाइंस ने तो डीजीसीए की ओर से पायलटों को आराम के घंटे बढ़ाने संबंधी नियमों पर अमल कर लिया, लेकिन इंडिगो ने ऐसा नहीं किया और वह भी तब जब अन्य एयरलाइंस घाटे में चल रही हैं और इंडिगो मुनाफे में।

इंडिगो ने नए नियमों को मानने के बजाय ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि डीजीसीए को अपने नियमों पर अमल को टालना पड़ा। यह स्थिति इसलिए पैदा हुई, क्योंकि इंडिगो ने बड़ी संख्या में अपनी उड़ानों को रद्द किया। इसके चलते लाखों यात्री परेशान हुए। उनके समय के साथ धन की तो बर्बादी हुई ही, उनके जरूरी काम भी अटक गए। किसी की परीक्षा छूटी तो किसी का इंटरव्यू या फिर जरूरी मीटिंग अथवा अन्य कोई काम। लाखों विमान यात्रियों को जो आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानी हुई, उसका आकलन करना कठिन है।

इंडिगो ने अपनी उड़ानें रद कर विमान यात्रा को पंगु कर ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि डीजीसीए को उसके समक्ष घुटने टेकने पड़े। उसने विमानन बाजार में अपनी हिस्सेदारी का लाभ उठाकर डीजीसीए को जिस तरह झुकने के लिए बाध्य किया, उससे इस नियामक संस्था के साथ सरकार की भी किरकिरी हुई, क्योंकि डीजीसीए के झुकने का मतलब है भारत सरकार का झुकना। मोदी सरकार को यह आभास होना चाहिए कि इंडिगो प्रकरण से मजबूत सरकार की उसकी छवि को धक्का लगा है। लाखों विमान यात्रियों के सामने जो संकट पैदा हुआ, उससे देश की भी बदनामी हुई, क्योंकि इंडिगो की उड़ानों के रद होने से देश के साथ विदेश के यात्री भी परेशान हुए।

मुद्दा यह है कि यदि डीजीसीए पहले से ही ध्यान दे देता कि इंडिगो का संचालन ठीक तरह से हो रहा है या नहीं? वह नियमों का पालन कर रहा है या नहीं, तो शायद स्थिति इतनी नहीं बिगड़ती। बिना नियमों का पालन करते हुए विमानों का संचालन हो रहा था, और डीजीसीए के अधिकारी आंखें मूंदे रहे। आखिर ऐसी विवशता क्या थी? नियामक संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल तो उठेगा? यदि ये सक्षम नहीं हैं, तो फिर इनका औचित्य ही क्या है? जब हजारों लोगों को बड़ा नुकसान हुआ, सरकार की भी इज्जत खराब हुई, तब हम जाग रहे हैं। सरकार को चाहिए कि नियामक संस्थाओं की कमान भी कस कर रखे, ताकि उसका नाम तो दुनिया भर में खराब न हो।

अब विश्व की भी सांस्कृतिक धरोहर, भारत का प्रकाश पर्व दिवाली

सुशील कुमार जैन

परिवार और समाज को जोड़ने वाला पर्व दीवाली जिसमे घरों की सफाई,आपसी मिलन,उपहार,मिठाइयाँ,मंदिरों में दीप-आरती, समाज में प्रेम, सहयोग और सौहार्द बढ़ाते यह सब समाहित हैं। इसमे कला, रंगोली और हस्तशिल्प का उत्सव जिसमे मिट्टी के दीये,फूल सजावट,लोकनृत्य और संगीत भी शामिल है इस कारण दीवाली भारतीय कला का उत्सव भी है।

अब भारतीय ऐतिहासिक एवं पौराणिक प्रकाश पर्व दिवाली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल किया गया है। इसके साथ दिवाली 16वीं भारतीय विरासत बन गई है, जिसे यह सम्मान प्राप्त हुआ है। यूनेस्को ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा ∸नई प्रविष्टि, अमूर्त धरोहर सूची में: दीपावली, बधाई हो! सूची में घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं।

अब हम जाने अमूर्त विरासत क्या होती है अमूर्त विरासत वे जीवित परंपराएँ, कलाएँ, ज्ञान, अनुष्ठान, रीति-रिवाज़ और सामाजिक प्रथाएँ हैं जो किसी समुदाय की पहचान, इतिहास और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती हैं। ये पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रहती हैं–जैसे लोकनृत्य, संगीत, त्योहार, पारंपरिक ज्ञान, मौखिक परंपराएँ, और शिल्पकला आदि।

यूनेस्को की ÷अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची÷ में किसी परंपरा का शामिल होना कई तरह से लाभकारी होता है। यूनेस्को इन परंपराओं को संरक्षित करने के लिए तकनीकी, आर्थिक और प्रशिक्षण संबंधी सहायता प्रदान करता है।दस्तावेज़ीकरण और शोध के माध्यम से इन्हें भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँचाया जाता है।

स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और समुदायों की पहचान बढ़ती है।परंपरा से जुड़े लोगों को अधिक अवसर और रोजगार मिलते हैं।पर्यटन बढ़ने से आर्थिक गतिविधियाँ तेज होती हैं और क्षेत्रीय समृद्धि बढ़ती है।देश और उसकी सांस्कृतिक विविधता को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलती है।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में निम्न 15 धरोहरें पूर्व से शामिल×

कुटियाट्टम, केरल-2008∸ पुराना जीवंत संस्कृत रंगमंच है। वैदिक मंत्रोच्चार, 2008∸ वेद मंत्रों की मौखिक परंपरा। ामलीला, 2008∸भगवान राम की कथा का मंचन। राममन, 2009∸ उत्तराखंड के गढ़वाल का धार्मिक आयोजन। छाऊ नृत्य, 2010∸तीन विभिन्न शैलियों वाले मुखौटा नृत्य ।कालबेलिया नृत्य, 2010∸सपेरा समुदाय का प्रसिद्ध लोक नृत्य। मुदियेट्टू 2010 ∸ केरल मुदियेडू मां काली पर आधारित नाटक। लद्दाख का बौद्ध जप, 2012∸बौद्ध संतों का पवित्र ग्रंथ का पाठ । ष्ट मणिपुर का संकीर्तन, 2013∸ श्री कृष्ण भक्ति पर संकीर्तन । ठठेरों की धातु कारीगरी, 2014∸पीतल और तांबे की कला। नवरोज, 2016∸ पारसी समुदाय का नया साल। योग, 2016∸ शारीरिक, मानसिक,आध्यात्मिक संतुलन। कुंभ मेला, 2017∸दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक मेला। कोलकाता की दुर्गा पूजा, 2021 गुजरात का गरबा, 2023

और अब प्रकाश पर्व दिवाली भी.......

भारत की सांस्कृतिक विविधता में ऐसा कोई पर्व नहीं जो दीपावली जैसा व्यापक, बहुस्तरीय और सर्वधर्मसमन्वयी हो। ऐतिहासिक घटनाओं और दार्शनिक धारणाओं से भी यह पर्व गहराई से जुड़ा है। विभिन्न परंपराओं में दीपावली के अनेक रूप मिलते हैं, जो इसकी सांस्कृतिक समृद्धि को और भी विस्तृत बनाते हैं।

हिंदू परंपरा में दीपावली का सबसे व्यापक रूप से स्वीकार्य प्रसंग भगवान राम की रावण पर विजय और अयोध्या वापसी है। कहा जाता है कि इस दिन अयोध्या के नागरिकों ने दीपों की पंक्तियाँ सजाकर अपने प्रिय राजा का स्वागत किया था। महाभारत के अनुसार, इसी दिन पांडवों ने अपने 13 वर्षों के वनवास का समापन कर पुनः नगर में प्रवेश किया था। कई क्षेत्रों में इसे विजय, वापसी और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

पुराणों में उल्लिखित समुद्र-मंथन कथा के अनुसार इसी दिन देवी लक्ष्मी और धन्वंतरि प्रकट हुए थे। इसलिए लक्ष्मी पूजन की परंपरा धन, समृद्धि और स्वास्थ्य–इन तीनों का सम्मान मानी जाती है। दक्षिण भारत में दीपावली भगवान कृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की विजय-स्मृति के रूप में मनाई जाती है। वहीं एक अन्य कथा में भगवान विष्णु के वामन अवतार द्वारा राजा बलि को पाताल लोक का स्वामी बनाना और 'बलि प्रतिपदा' की शुरुआत का उल्लेख मिलता है।

कई धार्मिक परंपराओं में इस दिन की आध्यात्मिक व्याख्याएँ और भी गहन हैं। एक कथा के अनुसार जब राक्षसों का विनाश करने के बाद भी महाकाली का क्रोध शांत नहीं हुआ, तब भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए। शिव के स्पर्श से देवी शांत हो गईं। इसी घटना की स्मृति में बंगाल क्षेत्र में महाकाली और लक्ष्मी दोनों की आराधना का विधान है। यह अर्ध्य, भक्ति और शांति के संतुलन का एक सुंदर संदेश देता है।दीपावली केवल हिंदू धर्म में ही नहीं, अन्य धर्मों में भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। जैन परंपरा में यह वह पावन दिन है जब भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था, अतः जैन समुदाय इसे ज्ञान, मुक्ति और आत्म-विजय के त्यौहार के रूप में मनाता है। सिख समुदाय के लिए दीपावली का दिन गुरु हरगोबिन्द सिंह जी की कारागार से रिहाई और अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के शिलान्यास का ऐतिहासिक स्मरण है। बौद्ध परंपरा में भी दीपावली का उल्लेख मिलता है; कहा जाता है कि 2,500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में लाखों दीप जलाए गए थे, और नेपाल के नेवार बौद्ध इसे विशेष पूजा के साथ मनाते हैं।

उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के राजतिलक से लेकर आर्यसमाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के निर्वाण दिवस तक–दीपावली अनेक ऐतिहासिक संदर्भों का भी प्रतीक है। यह पर्व बताता है कि प्रकाश केवल दीप की लौ भर नहीं है, बल्कि मनुष्य के भीतर जागृत होने वाली सद्बुद्धि, विवेक और मानवीय संवेदनाएँ भी हैं।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में दीपावली के अलग-अलग रूप हैं–उत्तर भारत में राम के आगमन की स्मृति, गुजरात में व्यापारिक नववर्ष और लक्ष्मी पूजन, बंगाल में महाकाली की उपासना, दक्षिण भारत में नरकासुर-वध–परंतु इन सभी विविधताओं के केंद्र में एक ही संदेश है–प्रकाश का उत्सव, जीवन का उत्सव। लेकिन अब विश्व की भी सांस्कृतिक धरोहर बना भारत देश का प्रकाश पर्व दिवाली।

संरक्षण, रोजगार और सह-अस्तित्व का अनोखा मॉडल - पेंच टाइगर रिज़र्व

सैयद आसिम अली

भारत में वन्यजीव संरक्षण की चर्चा होते ही जिन चुनिंदा राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिज़र्व का नाम गर्व से लिया जाता है, उनमें पेंच टाइगर रिज़र्व का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर फैला यह घना वन क्षेत्र केवल बाघों का सुरक्षित ठिकाना ही नहीं, बल्कि मानव और प्रकृति के सफल सह-अस्तित्व का जीवंत उदाहरण भी बन चुका है। यहाँ संरक्षण की राह केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की साझेदारी से और भी मजबूत हुई है। यहाँ बाघों की सुरक्षा सिर्फ वन विभाग की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि आसपास बसे गाँवों की साझा प्रतिबद्धता बन चुकी है। यही साझेदारी पेंच को देश के सफलतम टाइगर रिज़र्वों में शामिल करती है।

पहले जहाँ मानवङ्कवन्यजीव संघर्ष आम बात थी, वहीं आज गाँवों के लोग बाघों को अपने जंगल की धरोहर मानते हैं। ग्रामीणों को रोज़गार, वन-आधारित आजीविका और इको-टूरिज्म से जोड़ने से उनका भरोसा बढ़ा है। स्व-सहायता समूह, होम-स्टे, गाइड और हस्तशिल्प जैसे कार्यों ने संरक्षण को आमदनी से जोड़ दिया है।गाँव वाले अवैध शिकार की सूचना स्वयं देते हैं, जंगलों में आग से बचाव में सहयोग करते हैं और वन्यजीवों के लिए जल स्रोतों की देखभाल करते हैं। बदले में प्रशासन भी मुआवज़ा, सुविधाएँ और पुनर्वास की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

पेंच की यह मिसाल बताती है कि जब संरक्षण लोगों से जुड़ता है, तो जंगल सुरक्षित होते हैं और बाघ निडर होकर विचरण करते हैं। यही सच्चा मॉडल है – जिसमें जंगल भी बच्ते हैं और इंसान भी।

पेंच का भौगोलिक और ऐतिहासिक महत्व- पेंच टाइगर रिज़र्व का नाम इसी क्षेत्र से होकर बहने वाली पेंच नदी के कारण पड़ा। यह रिज़र्व लगभग 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जहाँ सागौन, बाँस, तेंदू और मिश्रित वनों की बहुलता है। पहाड़ियों, घाटियों और जल स्रोतों से समृद्ध यह क्षेत्र जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है।

यही वह जंगल है, जिसे विश्व विख्यात लेखक रुडयार्ड किपलिंग ने अपनी प्रसिद्ध रचना ÷द जंगल बुक÷ में अमर किया था। मोगली की कहानी से लेकर यहाँ के बाघ, भालू और हिरण आज भी लोगों की कल्पनाओं में जीवंत हैं।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती पेंच की अनोखी बाघ प्रतिमा-प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मिशन लाइफ के संदेश और तीन आर (3क्र) सूत्र–रिड्यूस, रियूज़ और रिसाइकल–की भावना को साकार करते हुए पेंच टाइगर रिज़र्व में एक अनोखी और विश्वस्तरीय बाघ प्रतिमा का निर्माण किया गया है। यह प्रतिमा पूरी तरह अनुपयोगी लोहे के स्क्रैप मटेरियल से तैयार की गई है। इसमें पुरानी साइकिलें, पाइप, जंग लगी लोहे की चादरें और अन्य बेकार धातु सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया गया है।

इस भव्य कलाकृति को सिवनी जिले के स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला और कल्पनाशीलता से आकार दिया है। इस प्रतिमा की संकल्पना प्रधानमंत्री द्वारा 'मेक इन इंडिया' के प्रतीक रूप में बनाए गए लोहे के सिंह से प्रेरित है, जो स्वयं स्क्रैप मटेरियल से निर्मित था।

इंटरनेट पर उपलब्ध वर्ल्ड रिकॉर्ड एकेडमी के अनुसार, इससे पहले दुनिया की सबसे बड़ी बाघ प्रतिमा अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में थी, जिसकी ऊँचाई 8 फीट और लंबाई 14 फीट थी। इसके विपरीत, पेंच टाइगर रिज़र्व के खवासा पर्यटन द्वार पर स्थापित यह प्रतिमा 17 फीट 6 इंच ऊँची, 40 फीट लंबी और 8 फीट चौड़ी है, जो इसे विश्व की सबसे विशाल स्क्रैप बाघ प्रतिमाओं में शामिल करती है।

यह प्रतिमा न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देती है, बल्कि स्थानीय कला, आत्मनिर्भरता और रीसाइक्लिंग के महत्व को भी प्रभावशाली ढंग से दर्शाती है।

सर्दी में संबल की पहल,पेंच का ÷कंबल डोनेशन अभियान÷पेंच टाइगर रिज़र्व ने इस वर्ष एक सराहनीय जनकल्याणकारी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है ÷कंबल डोनेशन अभियान÷। यह अभियान विशेष रूप से पेंच टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण परिवारों के लिए चलाया जा रहा है, जो सर्दी के मौसम में अत्यधिक ठंड और सीमित संसाधनों की चुनौतियों से जूझते हैं।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद ग्रामीणों, बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिक परिवारों को सर्दियों में ठंड से सुरक्षा प्रदान करना है। वन विभाग, स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाजसेवियों के संयुक्त सहयोग से यह अभियान पूरे क्षेत्र में प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। कलेक्शन सेंटरों के माध्यम से कंबल एकत्र किए जा रहे हैं और फिर उन्हें व्यवस्थित रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाया जा रहा है।

यह पहल सिर्फ राहत वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव और प्रकृति के बीच सहयोग और संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। पेंच टाइगर रिज़र्व, जो वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है, अब सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। 'कंबल डोनेशन अभियान' न सिर्फ ठंड से राहत देगा, बल्कि लोगों के दिलों में करुणा और सहयोग की भावना को भी सशक्त बनाएगा।

जब तेंदुआ इस काले रंग की अवस्था में होता है, तब उसे सामान्य भाषा में ÷ब्लैक पैंथर÷ कहा जाता है। यह कोई अलग प्रजाति नहीं होती, बल्कि रंग में आया एक प्राकृतिक बदलाव मात्र होता है, जो उसे और भी दुर्लभ व आकर्षक बना देता है। इसी अवस्था में वह ÷ब्लैक पैंथर÷ कहलाता है।

भारत में ब्लैक पैंथर के दर्शन बेहद सीमित क्षेत्रों, विशेषकर पश्चिमी घाट और कुछ घने जंगलों तक ही सिमटे रहे हैं। ऐसे में मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिज़र्व जैसे क्षेत्र में इसका दिखाई देना न केवल आश्चर्यजनक है, बल्कि यह यहां के समृद्ध जैव-विविधता और सफल वन संरक्षण की भी पुष्टि करता है। पेंच का घना जंगल, पर्याप्त शिकार, शांत वातावरण और सुरक्षित आवास इस दुर्लभ प्राणी के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।

ब्लैक पैंथर का कैमरा ट्रैप में कैद होना वन्यजीव विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह खोज भविष्य में पेंच क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन और जैविक विविधता पर नए शोध के द्वार खोलती है। साथ ही यह घटना आम लोगों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है और पेंच टाइगर रिज़र्व की पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनाती है।आज पेंच टाइगर रिज़र्व में संरक्षण कार्य आधुनिक तकनीकों के सहारे किया जा रहा है। ड्रोन कैमरे, ट्रैप कैमरे, रेडियो कॉलर और जियो-टैगिंग के माध्यम से वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है।

वनकर्मियों को आधुनिक प्रशिक्षण दिया गया है और विशेष टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स की तैनाती से अवैध शिकार पर काफी हद तक रोक लगी है।

संरक्षण में समुदायों की भागीदारी- पेंच टाइगर रिज़र्व की सबसे बड़ी सफलता का आधार रहा है – स्थानीय समुदायों की सहभागिता। पहले आसपास के गाँवों के लोग ईंधन, लकड़ी, चारा और अन्य ज़रूरतों के लिए जंगल पर अत्यधिक निर्भर थे, जिससे जंगल पर दबाव बढ़ता गया।

वन विभाग ने इस चुनौती को एक अवसर में बदला और ÷समुदाय आधारित संरक्षण÷ की रणनीति अपनाई। ग्रामीणों को वन सुरक्षा समितियों, ईको-डेवलपमेंट कमेटियों और वन्यजीव मित्र योजनाओं से जोड़ा गया। आज वही ग्रामीण जंगल की गश्त, अग्नि सुरक्षा और अवैध शिकार विरोधी अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बाघ संरक्षण का मजबूत गढ़- एक समय ऐसा भी था जब अवैध शिकार, जंगलों की कटाई और मानवीय दखल के कारण पेंच में बाघों की संख्या चिंताजनक रूप से घटने लगी थी। लेकिन पिछले दो दशकों में सख्त सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रबंधन और स्थानीय लोगों की भागीदारी से यहाँ बाघों की आबादी में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है।आज पेंच न केवल बाघों के लिए सुरक्षित आवास है, बल्कि तेंदुआ, स्लॉथ भालू, चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली कुत्ता और सैकड़ों पक्षी प्रजातियों का भी आश्रय स्थल है।

पर्वत केवल धरती का सौंदर्य नहीं, मनुष्य की आत्मा को स्थिर, शांत और ऊर्ध्वगामी बनाने वाली जीवन-शक्ति हैं

योग गुरु महेश अग्रवाल

पर्वत - प्रकृति का मौन तपस्वी 11 दिसंबर को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। पर्वत मानव सभ्यता का प्राचीनतम शिक्षक माना गया है - एक ऐसा गुरु जो न बोलता है, न समझाता है, फिर भी जीवन का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान दे जाता है। पर्वत का मौन, उसका धैर्य, उसकी स्थिरता, उसकी ऊँचाई - ये सभी अध्यात्म, धर्म, योग और प्रकृति-दर्शन के मूलभूत स्वरूप हैं। मानव जीवन जब भागदौड़, तनाव, अहंकार और असंतुलन से घिर जाता है, तब पर्वत हमें पुनः स्मरण कराते हैं कि - ऊँचाई विनम्रता से आती है। स्थिरता साधना से आती है। शांति मौन से आती है और आत्मोदय प्रकृति से जुड़ने से आता है। इसी कारण भारत की अध्यात्म-परंपरा में पर्वत सदैव तपस्या, साधना, तीर्थ, योग और मोक्ष से जुड़े रहे हैं।

पर्वत - भारतीय धर्म और अध्यात्म का आधार हिमालय - आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र - हिमालय केवल बर्फ का पहाड़ नहीं; वह भारत की आत्मा है। ऋषि-मुनि, तपस्वी, योगी, संत - सभी ने इसे देवभूमि कहा है। हिमालय के बारे में शास्त्र कहते हैं - हिमालयं समारभ्य यावत् इंद्रसरस्वती। या भारत भूते पृथिवी, सैव हिंदुस्तानः। हिमालय को शिव का निवास कहा गया - कैलास। यहीं से गंगा का अवतरण हुआ-जीवनदायिनी शक्ति।हिमालय की आध्यात्मिक विशेषता है - पवित्रता, मौन, गहनता, दिव्य कंपन। पर्वत और तपस्या - भारतीय इतिहास में पर्वत हमेशा तपस्वियों का आश्रय रहे। क्यों? वहाँ प्रकृति का अनुपम शांति-क्षेत्र होता है। मन इंद्रियों से हटकर भीतर केंद्रित हो जाता है। भीड़, शोर और भौतिक आकर्षणों से दूरी मिलती है। ऊँचाई मन में व्यापकता और विवेक जगाती है। इसलिए ऋषि-मुनि पर्वतों पर जाकर दर्शन, योग, ध्यान और शास्त्र रचना करते रहे।

पर्वतों का धार्मिक महत्व भारत की आध्यात्मिक परंपरा में पर्वत केवल भू-आकृति नहीं, बल्कि दैवी चेतना के निवास माने गए हैं। हमारे शास्त्रों में पर्वतों को स्थिरता, तपस्या, दिव्यता और आत्मोन्नति का प्रतीक बताया गया है। हिमालय को देवताओं का निवास और धरती का मुकुट कहा गया है, जहाँ शिव की आत्मधारा, ऋषियों की साधना और ऋतुओं का पवित्र संतुलन विराजमान है। कैलाश पर्वत शिव के निष्काम ध्यान का, अरावली और विंध्य पर्वतमालाएँ मातृशक्ति और संरक्षण का, वहीं गिरिराज गोवर्धन कृष्ण के प्रेम, करुणा और सेवाभाव का रूप माने गए हैं। जैन धर्म में पर्वत मुक्तिदायिनी भूमि हैं - जहाँ अनेक तीर्थंकरों ने तपस्या करके कैवल्य प्राप्त किया। बौद्ध धर्म में पर्वत बुद्ध के मौन व ध्यान की गहराई का प्रतीक हैं। हर धर्म में पर्वतों को आत्मा को ऊपर उठाने वाली ऊर्जा, एकांत साधना, और दिव्य प्रकाश के केंद्र के रूप में सम्मान दिया गया है। इसलिए पर्वत की ओर देखना मात्र मन में श्रद्धा, शांति, संयम और स्थिरता का भाव जगाता है - मानो प्रकृति स्वयं कह रही हो, ऊँचे बनो, पर अपने आधार को न भूलो।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस, प्रकृति, अध्यात्म, धर्म और योग का सम्मिलित पर्व

पर्वत - शक्ति और मातृत्व का प्रतीक भारत की पर्वत-परंपरा केवल तपस्या तक सीमित नहीं। पर्वत को माता भी कहा गया - पर्वतराज हिमालय की पुत्री - पार्वती। नवरात्रि में देवी का स्वरूप सायंकाल पर्वत पर विराजमान प्रकाश के रूप में भी वर्णित है। इस प्रकार पर्वत भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन का अभिन्न अंग हैं।

पर्वत और योग - साधना का सर्वोत्तम स्थान पर्वत का मौन - ध्यान का प्राकृतिक साथी - योग का सार है - चित्तवृत्ति निरोध। जब मन शांत हो, तभी ध्यान गहराई में उतरता है। पर्वत - शून्य शोर प्राकृतिक हवा, खुला आकाश, कम तापमान, उच्च ऊर्जा, शुद्ध प्राणवायु ये सभी योग-साधना को कई गुना शक्तिशाली बना देते हैं। प्राणायाम के लिए पर्वतीय वातावरण क्यों उत्तम? पर्वतों पर - ऑक्सीजन शुद्धतम रूप में होती है, प्रदूषण अत्यंत कम, वायु में नकारात्मक आयन अधिक, जो मन को शांत करते हैं। शीतलता शरीर के ताप को संतुलित करती है इस प्रकार, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भस्त्रिका, और दीर्घ-श्वसन पर्वतों पर अत्यधिक प्रभावी होते हैं। पर्वत और आसनों का संतुलन - पर्वतीय वातावरण में - वृक्षासन, ताड़ासन, गरुड़ासन, पद्मासन, ध्यानासन जैसे आसन मानसिक संतुलन बढ़ाते हैं और प्रकृति की ऊँचाई का भाव भीतर भी जागृत करते हैं। साधना में ऊँचाई का महत्व - ऊँचाई पर पहुँचने पर मन स्वतः ही - व्यापक होता है, निकृष्ट विचारों से मुक्त होता है, सूक्ष्म ऊर्जा को ग्रहण करने लगता है, आत्मा में हल्कापन आता है, अहंकार घटने लगता है इसलिए योग के शास्त्रों में उर्ध्वगामी प्राणशक्ति का वर्णन पर्वत के संदर्भ में मिलता है।

पर्वत ∸ आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक पर्वत पर चढ़ना - आत्म की ओर चढ़ना, पर्वत पर चढ़ने का अनुभव जीवन के उत्थान जैसा ही है - कदम-कदम पर संघर्ष बीच में थकान कभी रास्ता कठिन कभी चट्टानें टूटती हुई लेकिन शिखर पर पहुँचकर - सब स्पष्ट और सुंदर इसी तरह साधना की यात्रा भी धीरे-धीरे शिखर तक पहुँचती है। पर्वत की स्थिरता - मन का आदर्श - एक पर्वत खड़ा रहता है - न आँधियाँ उसकी ऊँचाई कम करती हैं, न बर्फ उसकी शक्ति को घटाती है, न वर्षा उसकी जड़ों को ढीला करती है। मनुष्य को यही सिखाता है - जीवन में दृढ़ रहो। परिस्थितियाँ बदलेंगी - तुम न बदलो। पर्वत की ऊँचाई - आत्मा का विस्तार - शिखर पर पहुँचने के बाद - आकाश का विस्तार, वायु की स्वतंत्रता, चारों ओर अनंतता - ये सब मन को सीमाओं से बाहर ले जाते हैं।आध्यात्मिक रूप में यह ब्रह्म-भाव का अनुभव देता है। पर्वत की बर्फ - पवित्रता और शीतलता का प्रतीक - बर्फ का सफेद रंग - अंदर की आसक्तियों का क्षय, विचारों की शुद्धता, अहंकार का विलयन, शांत चित्त इन सबका प्रतीक है।

धर्म, पुराण और पर्वत - आध्यात्मिक कथाएँ शिव और कैलास - कैलास - शिव का निवास, तुंगता का प्रतीक, मौन का मंदिर। शिव का योगी-स्वरूप पर्वत ही है - स्थिर, निर्विकार, गहन और अनंत। गिरीराज गोवर्धन - श्रीमद्भगवद्गीता व पुराणों में गोवर्धन पर्वत - भक्तिभाव संरक्षण धर्म का प्रतीक है। भगवान कृष्ण का गोवर्धन-धारण इस बात का संदेश देता है कि पर्वत प्रकृति की रक्षा करते हैं और देवत्व का आश्रय हैं। अरावली, विंध्य और सतपुड़ा - भारत की ऊर्जा-रेखाएँ। भारत की भूगोल में तीन पर्वत-श्रृंखलाएँ विशेष महत्व रखती हैं - अरावली - पृथ्वी की सबसे प्राचीन पर्वत-श्रृंखला। विंध्याचल - देवी के सिद्ध-पीठों का निवास। सतपुड़ा - मध्य भारत की आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत। मध्यप्रदेश स्वयं इन तीनों ऊर्जा-रेखाओं से लाभान्वित है।

पर्वत - पर्यावरण, जीवन और मानवता के रक्षक जल का स्रोत - पर्वत - दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी का पानी पर्वतों से आता है। हिमालय न हो तो - यमुना, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, सतलुज सबका अस्तित्व ही न रहे। इसलिए पर्वत केवल आध्यात्मिक ही नहीं - जीवन-आधार भी हैं। औषधियों का घर - आयुर्वेद की 70 प्रतिशत जड़ी-बूटियाँ पर्वतीय क्षेत्रों में जन्म लेती हैं - गिलोय, अश्वगंधा, कुटकी, शिलाजीत, ब्राह्मी, भृंगराज, अतिविषा आदि। ये योगिक जीवन के लिए अमृत के समान हैं। पर्वत हवा के संतुलक - पर्वत प्राकृतिक शीतलन व्यवस्था हैं। वे पृथ्वी के ताप को नियंत्रित करते हैं। तापमान संतुलन मानव मन पर भी प्रभाव करता है - ठंडी हवा से मन शांत, स्वभाव मधुर, विचार सात्विक होते हैं। योग - दर्शन में पर्वत का रूपक योगसूत्र में पर्वत के कई गुण साधक के लिए आदर्श माने गए हैं - स्थिरता - ध्यान का प्रथम लक्ष्य - शरीर और मन को पर्वत-सा स्थिर करना। ऊर्ध्वगामी ऊर्जा - योग का उद्देश है - प्राणों को ऊपर उठाना, जैसे पर्वत धरती को आकाश की ओर उठाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर

प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

विधायक नारायण सिंह पट्टा ने रेलवे की सौगात दी

मंडला, सांध्य प्रकाश। जिले के बिछिया विधानसभा क्षेत्र के चहेते विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मंडला जिले में रेल सुविधाओं के विस्तार हेतु विधानसभा सदन में अशासकीय संकल्प प्रस्तुत कर मंडला से जबलपुर नवीन ट्रैन चलाने एवं ओवरनाईट एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित गोंडवाना एक्सप्रेस को मंडला से चलाने हेतु विधानसभा में बात रख आग्रह किया है। साथ ही मंडला रेल्वे स्टेशन का नाम परिवर्तित कर वीरांगना रानी दुर्गावती रेल्वे स्टेशन मंडला किये जाने का भी आग्रह किया है।यह अशासकीय संकल्प विधानसभा सदन में पारित भी हुआ हैं और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इसे कार्यवाही हेतु केन्द्र सरकार को भेजा जायेगा। उन्होंने कहा है कि मंडला जिले के विकास के लिए रेल सुविधाओं का विस्तार बहुत आवश्यक है। केन्द्र सरकार का विषय होने के बाद भी रेल सुविधा के लिए हमने अपने स्तर से प्रयास किया है उम्मीद है राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केन्द्र सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

गुरु तेग बहादुर ने सभी धर्मों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया : मुख्य ग्रंथी

श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष व विश्व मानव अधिकार दिवस पर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में व्याख्यान एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ

सागर, सांध्य प्रकाश। शासकीय कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय सागर में श्री गुरु तेग बहादुर सिंह के 350वें शहीदी वर्ष और विश्व मानव अधिकार दिवस के अवसर पर प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण एवं व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सरोज गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुरुद्वारा सिंघसभा सागर के मुख्य ग्रंथी स. ज्ञानी गुरबचन सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुरुसिंघ सभा सागर के प्रधान सतिंदर सिंह होरा व वरिष्ठ समाजसेवी सरदार जितेंद्र सिंह चावला उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर गुरु तेग बहादुर के 350 में शहीदी वर्ष पर आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों ने विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रो सरोज गुप्ता, डॉ संगीता मुखर्जी, डॉ संदीप सबलोक, डॉ अभिलाषा जैन, डॉ अवधेश प्रताप सिंह, डॉ अनुरोध चढ़ार और डॉ रेणु सोलंकी ने किया। मंच पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी डॉ इमराना सिद्धिकी, डॉ गोपा जैन और डॉ रंजना मिश्रा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गुरुसिंघ सभा गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी स. गुरबचन सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपनी शहादत से धर्मनिरपेक्षता व मानवाधिकारों के संरक्षण के ऐसे स्तंभ स्थापित किए हैं, जो आज भी जीवित हैं। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर सिंह जी ने न केवल अपने सिख समुदाय, बल्कि सभी धर्मों के लोगों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। इसे भारत के इतिहास में धर्म की स्वतंत्रता का अमूल्य योगदान माना जाता है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे गुरु तेग बहादुर जी के ऐसे मूल्य आज़ादी और मानवाधिकार के लिए दिए गए बलिदान को निरंतर संजोएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य प्रो. सरोज गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु तेग बहादुर का शहीद होना केवल सिख इतिहास का भाग नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत के धर्मनिरपेक्षता इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। वे ऐसे व्यक्तित्व हैं जिन्होंने निस्वार्थता और हिम्मत से मानव अधिकारों की रक्षा की।

विशिष्ट अतिथि स. सतिंदर सिंह होरा ने गुरु तेग बहादुर साहिब के बलिदान को सभी धर्मों के बीच एकता और सद्भाव के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए सामाजिक सहिष्णुता की जरूरत पर बल दिया।

विशिष्ट अतिथि स. जितेंद्र सिंह चावला ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने जो मिसाल कायम की, वह सभी धर्मों के लोगों के लिए न्याय, समानता और आज़ादी की गारंटी है, जिन्हें युवाओं को जीवन में अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ संदीप सबलोक ने गुरु तेग बहादुर के शहीदी इतिहास से जुड़ा रोचक तथ्य साझा किया। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर सिंह जी के कटे हुए शीश को उस समय के बड़े व्यापारी लख्खी शाह ने मुगलों के हाथ न लगने देने के लिए अपनी रुई के गोदाम में छुपाकर जला दिया था। ये वही लख्खी शाह थे जिन्होंने सागर में विशाल झील का निर्माण कराया, जो आज लाखा बंजारा झील के नाम से सागर की महत्वपूर्ण पहचान में से एक है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ वक्ता सोनाली चौरसिया, सुदीप तिवारी एवं नेहा तिवारी ने गुरु तेग बहादुर के अमूल्य योगदान पर विचार प्रस्तुत किए। पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट कलात्मक प्रदर्शन दिखाया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रथम स्थान प्रदान करते हुए निबंध में बलदाऊ यादव, सोनाली चौरसिया और शिवानी तिवारी, पोस्टर में समीक्षा अहिरवार, राली पटेल तथा मुनि वैद्य और भाषण प्रतियोगिता में सोनाली चौरसिया, सुदीप तिवारी एवं नेहा तिवारी को मेडल पहनाकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्रा इकाई के स्वयंसेवक एवं एनसीसी के कैडेट्स सहित 300 विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत मानवाधिकार दिवस क्विज प्रतियोगिता आयोजन और मानव श्रृंखला का निर्माण भी किया गया।

कार्यक्रम में डॉ प्रतिभा जैन, डॉ संगीता कुंभारे, डॉ अंकुर गौतम, डॉ संदीप तिवारी, डॉ जय नारायण यादव, डॉ प्रकाश कुशवाहा, डॉ रविंद्र सिंह, डॉ ऋतु त्रिपाठी, डॉ अखिलेश तिवारी, जयपाल लोधी, अनुष्का राजे, भानुप्रिया पटेल, डॉ शिखा चौबे, रश्मि दुबे, राखी गौर, वरुण राज यादव, एमबीडॉ संजय दुबे, अनुज अहिरवार, अंकेश सिंह, अनन्या सोनी, गरिमा सेन सहित महाविद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

जल स्रोतों की साफ-सफाई अभियान के तहत काला तालाब में सामूहिक श्रमदान

आष्टा, सांध्य प्रकाश। काला तालाब परिसर में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद आष्टा द्वारा व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुमार राय सिंह मेवाडा, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर रूपेश राठौर, वार्ड पार्षद रवि शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए तालाब के आसपास फैले कचरे को हटाया तथा पानी के अंदर डाले गए ठोस अपशिष्ट को बाहर निकालकर तालाब को स्वच्छ बनाया। इसके साथ ही, घाटों की साफ-सफाई कर तालाब किनारे घाट स्वच्छ – आस्था सुरक्षित, स्वच्छता ही सेवा, तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 जैसे प्रभावी स्लोगन आकर्षक ढंग से लिखे गए।

अभियान के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं स्वच्छता कर्मियों ने जल स्त्रोतों की रक्षा करने तथा तालाब को लगातार स्वच्छ बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वच्छता पर्यवेक्षक विनोद सांगते , जितेंद्र सिंगन ,मुन्ना जी सांगते संस्था के प्रतिनिधि राजकुमार अकेला डोर टू डोर कचरा वाहन संचालक विनय सिंह एवं शनि सांगते आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध वाहन को इजराइल पुलिस की तरह 'स्पाइक स्ट्रिप' से रोकेगी इंदौर पुलिस

इंदौर, सांध्य प्रकाश। पुलिस को चकमा देकर भागना अब आसान नहीं होगा। कंट्रोल रूम से अलर्ट मिलते ही पुलिस संदिग्ध वाहन के चारों पहियों को पंक्चर कर देगी। कमिश्नरेट में 'स्पाइक स्ट्रिप' जैसे आधुनिक उपकरण मंगवाए गए हैं। आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने चार प्रमुख स्थानों से शुरुआत की है। यह वही उपकरण है जिसका इजराइल, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों में पुलिस अत्यधिक उपयोग करती है।स्पाइक स्ट्रिप नुकीले स्पाइक्स से बनी लंबी पट्टी है, जो सड़क पर फैलाकर रख दी जाती है। जैसे ही संदिग्ध वाहन इसके ऊपर से गुजरता है, उसके टायर पंक्चर हो जाते हैं। बड़ा गणपति पर हुए हादसे के बाद पुलिस ने स्पाइक स्ट्रिप की मांग की थी। पिछले दिनों कमेटी से सहमति मिलने के बाद चार स्पाइक स्ट्रिप खरीदी गई हैं। इस उपकरण को टायर बस्टर, नुकीली पट्टी, स्टाप स्टिक और टायर किलर भी कहते हैं। इंदौर प्रदेश का पहला शहर है, जहां स्पाइक स्ट्रिप का प्रयोग शुरू हुआ है। सीपी के मुताबिक कई बार वाहन चैकिंग में संदिग्ध वाहन पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश करता है। स्पाइक स्ट्रिप के प्रयोग से ऐसे मौकों पर पुलिस को पीछा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पुलिसकर्मी वायरलेस सेट से प्रसारण होते ही स्पाइक स्ट्रिप फैला देंगे। सीपी ने ट्रैफिक पुलिस को इसके इस्तेमाल और बचाव का प्रशिक्षण भी दिया है।

परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा परिवर्तन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि संवेदना से जन्मे कर्मों से आता है

शांतिदूत कैलाश की करुणा समाज को देगी जनजागरण का संदेश

दैनिक सांध्य प्रकाश गंजबासौदा। समाज में करुणा के वैश्वीकरण और व्यावहारिक विस्तार के उद्देश्य को लेकर बुधवार को नोबेल शांति पुरस्कार विजेता शांति दूत कैलाश सत्यार्थी की नोबेल सम्मान प्राप्ति की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को बरेठ रोड स्थित एक सेमिनार हॉल में विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह आयोजन सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन की पहल पर हुआ, जिसका उद्देश्य समाज में नैतिक मानवीय मूल्यों के साथ-साथ करूणा, समानता, शांति, और स्थायित्व को पुनः जाग्रत करना था। परिचर्चा का मुख्य विषय करुणा रहा, जिसे समाज में संवेदना और मानवता के पुनर्जागरण का आधार बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि जब हर व्यक्ति दूसरों के दुःख को अपना मान लेगा, तब समाज में न कोई कमजोर रहेगा, न कोई उपेक्षित।कार्यक्रम में समाजसेवी, पत्रकार, चिकित्सक, व्यवसायी, प्राध्यापक और नगर के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सभी वक्ताओं ने समाज में बढ़ती असमानता, अन्याय, शोषण और भेदभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन चुनौतियों का स्थाई समाधान करुणा के मार्ग से ही संभव है।कार्यक्रम में परिचर्चा के दौरान करुणा के सामाजिक, व्यक्तिगत और वैश्विक महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। इसी क्रम में सभी सहभागियों ने मिलकर ÷करुणा सर्किल÷ नामक नई पहल की शुरुआत करने का निर्णय लिया। इस पहल के तहत नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने मिलकर निःस्वार्थ भाव और रचनात्मकता के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए काम करने का संकल्प लिया। सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन के वरिष्ठ प्रबंधक, डॉ. प्रवेश शर्मा ने बताया कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश जी सत्यार्थी ने जिस तरह बाल श्रम और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाई, वह करुणा की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उनकी यह करुणा आज के समाज के लिए जनजागरण का संदेश है।कैलाश की करुणा ने दुनिया को यह सिखाया कि परिवर्तन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि संवेदना से जन्मे कर्मों से आता है और उन्होंने करुणा को आंदोलन का रूप दिया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि करुणा मनुष्य के भीतर की वह शक्ति है, जो दूसरों के दुःख को महसूस करके उसे दूर करने का संकल्प देती है।

आज जनसुनवाई में आये अन्य नागरिकों की विधायक ने सुनी समस्याएं

विधायक की जनसुनवाई में पहुचे ग्राम खड़ीहाट के पालक-विद्यार्थी ,

आष्टा, सांध्यप्रकाश। आज जनसुनवाई में ग्राम खडी हॉट की माध्यमिक शाला में पढने वाले बच्चों के अभिभावकों ने पहुच कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर को बताया कि विद्यालय में बच्चों के मान से शिक्षकों की कमी को दूर किया जाये, शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की प?ाई प्रभावित हो रही है । जनसुनवाई में पहुचे मनोहरसिंह, प्रिया, पूजा वर्मा, रामप्रसाद, देवकरण द्वारा दिये आवेदन में बताया कि विद्यालय में 158 बच्चों को प?ाने के लिये मात्र 03 शिक्षक है जो अपर्याप्त है,कमी को दूर किया जाये ।

स्मरण रहे प्रत्येक बुधवार को आष्टा विधायक अपने कार्यालय में सुबाह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने,उनेह हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है । आज बुधवार को प्रातः 10 बजे से कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । आज भी ब?ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पी?ा से विधायक को अवगत कराया एवं आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा की आपका जन सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को सुनना, हल करना मेरा धर्म है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये । विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा,जो मांग शासन स्तर की है उनेह वे शासन तक पहुचायेंगे।

ग्राम अमरपुरा में मांगलिक कार्य हेतु भवन धर्मशाला / मांगलिक भवन निर्माण,दिव्यांग हेतु रोजगार प्रदाय कराने,विद्युत देयक का समायोजन,विद्युत प्रकरणों का समाधान कराने। ,दिव्यांग हेतु ट्रायसिकल प्रदाय करने,जल आपूर्ति एवं आग बुझाने हेतु फायर टेंकर प्रदाय कराने, पट्टे की भूमि पर किये जा रहे निर्माण पर रोक लगवाने, प्रधानमंत्री आवास के नवीन पंजीयन हेतु,बालिका का बीमारी से पैर कट जाने पर आर्थिक सहायता,माध्यमिक शाला खड़ीहाट में छात्र संख्या के मान से शिक्षकों की पदस्थापना कराने,स्टॉफ नर्स के पद पर नियुक्ति कराने,हाईस्कूल फूडरा में 24 घंटे विद्युत व्यवस्था कराने,वृद्धा पेंशन प्रदाय कराने,खामखेड़ा बैजनाथ में गौशाला हेतु भूमि आवंटित कराने,ग्राम करमनखेड़ी में नई बस्ती में नल जल योजना का लाभ प्रदाय कराने,खड़ी हाट से विद्युत केबल चोरी होने के संबंध में,ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि कराने। सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

11 दिसंबर का इतिहास, आज ही के दिन 1946 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद बने संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष

कौशिकी

11 दिसंबर 1946 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो उनके ज्ञान और निष्पक्षता का प्रमाण था। उनके नेतृत्व में ही 2 साल, 11 महीने और 18 दिन में दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान तैयार हुआ।

आज के दिन की कहानी-बात है साल 1946 की, जब भारत आजादी की दहलीज पर खड़ा था। देश का भविष्य कैसा होगा ये तय करने के लिए एक मजबूत संविधान की जरूरत थी।इसीलिए, कैबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान सभा का गठन किया गया।

गूगल पर द सूत्र चुनें !

इस सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को नई दिल्ली में हुई थी। ये बैठक भारत के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने वाली थी। शुरुआत में, डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया था।

ये परंपरा फ्रांस की संविधान सभा से ली गई थी जिसमें सबसे बुजुर्ग सदस्य को अध्यक्ष चुना जाता है। लेकिन ये व्यवस्था सिर्फ दो दिन के लिए ही थी। सभी सदस्य एक ऐसे अनुभवी, निष्पक्ष और सम्मानित व्यक्ति को अध्यक्ष बनाना चाहते थे जो इस विशाल कार्य का नेतृत्व कर सके।

11 दिसंबर 1946-डॉ. राजेंद्र प्रसाद का इलेक्शन

फिर आया वो ऐतिहासिक दिन, 11 दिसंबर 1946। संविधान सभा के सदस्यों ने सर्वसम्मति से बिहार के गांधी कहे जाने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद को सभा का स्थायी अध्यक्ष चुन लिया। उनका चुनाव सिर्फ एक फॉर्मल प्रोसेस नहीं थी। बल्कि यह उनके ज्ञान, सादगी और देश के प्रति समर्पण का प्रमाण था।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया था। उनके इस चुनाव से देश के

बुद्धिजीवियों और आम जनता में एक पॉजिटिव मैसेज गया। लोगों को विश्वास हो गया कि संविधान निर्माण का काम अब सही और मजबूत हाथों में है।

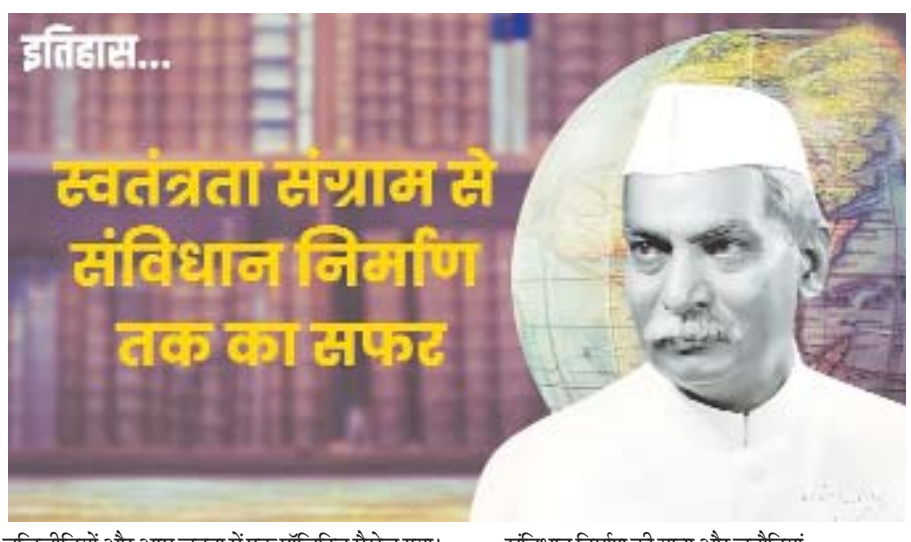

डॉ. राजेंद्र प्रसाद- भारतीय संविधान के शिल्पकार

डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान नेता और स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति थे। उनका जन्म बिहार में हुआ था। वे अपनी सादगी, ज्ञान और अटूट ईमानदारी के लिए जाने जाते थे।

11 दिसंबर 1946 को उन्हें संविधान सभा का परमानेंट प्रेजिडेंट चुना गया। यहां उन्होंने भारत का संविधान बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने निष्पक्षता के साथ सभा का नेतृत्व किया। ये सुनिश्चित किया कि देश का सर्वोच्च कानून हर वर्ग के हितों को समाहित करे। वे भारत रत्न से भी सम्मानित थे और उन्हें %देश रत्न% कहा जाता है।

संविधान निर्माण की यात्रा और चुनौतियां

अध्यक्ष चुने जाने के बाद, राजेंद्र प्रसाद पर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई। उनका काम सिर्फ बैठकों की अध्यक्षता करना नहीं था। बल्कि विभिन्न विचारों और समुदायों के बीच संतुलन बनाए रखना भी था।

भारतीय संविधान को बनाने में पूरे 2 साल, 11 महीने और 18 दिन का लंबा समय लगा। इस दौरान कई बड़ी चुनौतियां सामने आईं। देश में अलग-अलग भाषाएं थीं, कई धर्म थे और अलग-अलग रियासतें थीं। हर वर्ग के हितों की रक्षा करना जरूरी था।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी पीसफुल नेचर और मजबूत नेतृत्व क्षमता से सभा को एकजुट रखा। उन्होंने सुनिश्चित किया कि हर सदस्य को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिले।

राष्ट्रपति के तौर पर मात्र इतना वेतन लेते थे डॉ राजेंद्र प्रसाद, रखा था केवल एक कर्मचारी, सादगी की कायल थी दुनिया

डॉ. प्रसाद का योगदान

राजेंद्र प्रसाद का सबसे बड़ा योगदान उनकी निष्पक्षता थी। उन्होंने किसी भी राजनीतिक विचारधारा को संविधान पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने हमेशा यही सुनिश्चित किया कि संविधान भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को दर्शाता हो।

जब 26 जनवरी 1950 को संविधान (भारतीय संविधान का महत्व) लागू हुआ, तो वो न सिर्फ संविधान सभा के अध्यक्ष थे। बल्कि जल्द ही वे स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति भी बने।

राष्ट्रपति के तौर पर मात्र इतना वेतन लेते थे डॉ राजेंद्र प्रसाद, रखा था केवल एक कर्मचारी, सादगी की कायल थी दुनिया उनका ये सफर दिखाता है कि कैसे एक विनम्र और समर्पित व्यक्ति ने देश की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज की नींव रखी। आज जो मजबूत भारतीय लोकतंत्र हम देखते हैं, उसकी मजबूत नींव रखने में 11 दिसंबर 1946 के इस फैसले का अत्यधिक महत्व है।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन सादगी और सार्वजनिक सेवा का प्रतीक था। उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान तैयार कराने में कई जरूरी भूमिका निभाई, जिससे देश में समानता और न्याय सुनिश्चित हुआ।

11 दिसंबर की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं

हर दिन का अपना एक अलग महत्व होता है और 11 दिसंबर का दिन भी इतिहास (आज की यादगार घटनाएं) में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए दर्ज है।

इस दिन दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। आइए जानते हैं 11 दिसंबर (आज की तारीख का इतिहास) को भारत और विश्व में घटी कुछ प्रमुख घटनाओं के बारे में, जो आपके सामान्य ज्ञान को बढ़ा सकती हैं।

विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाएं

1618:- रूस और पोलैंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

1789:-संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

1845:-प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध के दौरान सिख सेना ने सतलज नदी पार की।

1886:-लंदन स्थित फुटबॉल क्लब आर्सेनल (तब डायलस्क्वेयर) ने अपना पहला मैच खेला।

1907:-आग से न्यूजीलैंड की संसद की इमारत पूरी तरह से नष्ट हो गई।

1920:-आयरिश युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने कॉर्क शहर की कई इमारतों को जला दिया।

1936:-बर्लिन ओलंपिक खेलों को अमेरिकी यहूदी कांग्रेस के विरोध का सामना करना पड़ा।

1944:- टोरंटो शहर में अब तक की सबसे भारी बर्फबारी हुई, जिससे 21 लोग मारे गए।

1964:- संयुक्त राष्ट के बाल कोष संगठन युनिसेफ (ह्वढ्ढष्टश्वस्न) की स्थापना हुई।

1972:- अपोलो 17, जो अंतिम अपोलो चंद्रमा मिशन था, चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरा।

1994:-रूसी सेना ने रूस के दक्षिण पश्चिमी गणराज्य चेचन्या पर आक्रमण शुरू किया।

1997:-जापान के क्योटो में 50 देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने पर सहमति बनी।

2007:= उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच लगभग 50 वर्ष बाद रेल सेवा दोबारा शुरू हुई।

2008:-अमेरिकी स्टॉक ब्रोकर बर्नार्ड मैडॉफ को 50 बिलियन की पोंज़ी स्कीम के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

भारत की महत्वपूर्ण घटनाएं

1967:- पश्चिम भारत में 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप से 170 लोगों की जान चली गई।

2011:-भारत रत्न से सम्मानित मशहूर सितार वादक पंडित रविशंकर का निधन हुआ।

सिंहस्थ के पहले नहीं चल पाएगी इंदौर-उज्जैन मेट्रो, 12 हजार करोड़ आएगा संचालन में खर्च

इंदौर, सांध्यप्रकाश। इंदौर-उज्जैन के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि सिंहस्थ 2028 से पहले इस कॉरिडोर पर मेट्रो संचालन शुरू करना संभव नहीं होगा। हालांकि, योजना यह है कि सिंहस्थ के समापन के बाद पूरे मार्ग पर निर्माण कार्य की गति तेज कर दी जाएगी। इस माह के अंत तक यह रिपोर्ट भोपाल में प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव चाहते थे कि ट्रायल रन पर चल रही इंदौर मेट्रो को सिंहस्थ से पहले उज्जैन तक बढ़ाया जाए। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने व्यापक सर्वेक्षण कराया। कॉर्पोरेशन के सूत्रों के अनुसार, सर्वे में यह पता चला कि इंदौर-उज्जैन मेट्रो मार्ग के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में लगभग 12,000 करोड़ रुपए का निवेश आवश्यक होगा। करीब 45 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो कॉरिडोर के लिए तैयार की गई डीपीआर

अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी है। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, भोपाल में होने वाले प्रजेंटेशन में यदि प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है, तो इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार, दिल्ली भेजा जाएगा।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो कॉरिडोर होगा पूरी तरह एलिवेटेड

मेट्रो की तैयार डीपीआर के अनुसार, इंदौर से उज्जैन तक पूरा कॉरिडोर एलिवेटेड होगा। उज्जैन शहर की सीमा में प्रवेश करते ही ट्रेन को भूमिगत करने की योजना है। लगभग 45 किलोमीटर लंबी इस लाइन में 11 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें से 4.5 किलोमीटर हिस्सा शहर के भीतर भूमिगत रहेगा। मेट्रो का शुरुआती स्टेशन लवकुश नगर होगा, जबकि अंतिम स्टेशन उज्जैन रेलवे स्टेशन तय किया गया है। प्रस्तावित मार्ग में भौंरासला, बारोली, धरमपुरी, तराना, सांवेर, पंथ पिपलई, निनोरा, त्रिवेणी घाट, नानाखेड़ा, उज्जैन आईएसबीटी और उज्जैन रेलवे स्टेशन शामिल हैं। शहर के भीतर मेट्रो को किस बिंदु से भूमिगत किया जाएगा, इस पर अभी अंतिम निर्णय बाकी है।

युवक कांग्रेस ने घोषित की नगर कार्यकारिणी

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार युवक कांग्रेस ने नगर की कार्यकारिणी घोषित की है। घोषित कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे एवं विधानसभा प्रभारी गोविंद राय, जिला युवक कांग्रेस प्रभारी एकलव्य यहाके एवं जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष गोलू पटेल की सहमति उपरांत नगर युवक कांग्रेस अध्यक्ष जगदम्बा वर्मा द्वारा कार्यकारिणी घोषित की गई है।

घोषित कार्यकारिणी में निम्नानुसार नियुक्तियां की गई– उपाध्यक्ष– अजय उइके, अंकित वर्मा, अनुराग यादव, मिन्टू पाल, कृष्णा मटरू स्वामी, पिन्चू पहाड़े, राजा मालवी को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

महासचिव– सचिन बिट्?टू तिवारी, अर्पण एन्थोनी, अनमोल वर्मा, कार्तिक शर्मा, अनुराग पवार व अनिमेष उइके को जिम्मेदारी सौंपी है।

महामंत्री– रोहित साहू, हर्षित सूर्यवंशी, अंशुमन शर्मा, अमन वर्मा, जय यदुवंशी, नसीब इवनाती, नोहित कराड़े को घोषित कार्यकारिणी में महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

नगर मंत्री– राजेन्द्र डेहरिया, मुबीन खान, मनोज सोनी, यश अलोने, सलमान खान को नगर मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

सचिव– शंभू सोनी, प्रवीण, फरहान अली, मनीष उइके को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। मीडिया प्रभारी प्रियांशु मालवी को सौंपी है।

समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी नियुक्ति के प्रति कमलनाथ एवं नकुलनाथ का हृदय से आभार माना है।

जिला रेडक्रास के स्टेट चेयरमेन श्याम सिंह कुमरे का हुआ सम्मान

सिवनी सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश रेडक्रास सोसायटी के प्रदेश चेयनमेन श्याम सिंह कुमरे द्वारा भोपाल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पदभार ग्रहण करने के बाद सिवनी आगमन पर उनका सम्मान व अभिनंदन मंगलवार को स्थानीय अभिनंदन रेस्टोरेंट बारापत्थर सिवनी में किया गया। इस दौरान जिला रेडक्रास सोसायटी के प्रबंध कार्यकारणी के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे। इस दौरान पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ, शाल श्रीफल भेट कर आगामी

कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा भी की। इस दौरान श्याम कुमरे जी की पत्नि व पुत्री भी उपस्थित रही। आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी जिला रेडक्रास सिवनी की प्रबंध कार्यकारणी सदस्यों ने चेयरमेन श्याम सिंह कुमरे का स्वागत करते हुए बधाईयां दी। इस दौरान श्यामसिंह कुमरे ने अपने जीवन के कटु अनुभवों का सभी के बीच सांझा किया। वहीं उपस्थित प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ आगामी दिनों में सीपीआर, प्राथमिक चिकित्सा, रक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने पर विचार विमर्श किया गया जहां अगले माह इन आयोजनों को संपादित कराये जाने के संबंध में सहमति दर्ज की गई। जिला मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला रेडक्रास की संबंध समिति के पदाधिकारी अरूण राय, संदीप उपाध्याय, नीलेश जैन, सूर्यप्रकाश विश्वकर्मा, अनूप मिश्रा, विक्रांत दुबे, प्रतीक अवस्थी, गजेन्द्र डहरवाल, बसंत राय, पीएल वर्मा, अभिषेक शुक्ला, आनंद साहू सहित अन्य उपस्थित रहे।

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2025, चंडीगढ़ में इम्तियाज अली को विशेष सम्मान

भोपाल, सांध्यप्रकाश। चंडीगढ़ में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2025 में सार्थक संस्था के संस्थापक इम्तियाज अली को उनके नवाचारपूर्ण एवं प्रभावी कार्यों के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत पर्यावरण एवं अपशिष्ट प्रबंधन आधारित मॉडल पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसे उपस्थित वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिनिधियों के साथ सार्थक संवाद (इंटरैक्शन) हुआ। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि इम्तियाज अली द्वारा विकसित मॉडल को प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्रों में क्रियान्वित करेंगे, ताकि इसका लाभ स्थानीय समुदायों व पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को मिल सके। इस अवसर पर सार्थक संस्था द्वारा विकसित 'ई-वेस्ट अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल', 'ई-वेस्ट क्लिनिक' तथा 'ई-वेस्ट एंबुलेंस' को मिशन LiFE एवं COP-30 में सफलतापूर्वक प्रस्तुत/समाहित किए जाने पर इम्तियाज अली को विशेष बधाई दी गई। इन नवाचारों को सतत विकास एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। कार्यक्रम में युवा वैज्ञानिकों, विभिन्न विज्ञान एवं शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह पूरा कार्यक्रम भारत सरकार के स्पेस मंत्रालय एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इम्तियाज अली को प्राप्त यह सम्मान पर्यावरण, नवाचार और जनभागीदारी आधारित पहलों को मजबूती प्रदान करेगा तथा देशभर में सतत विकास की दिशा में प्रेरणा का कार्य करेगा। इस उपलब्धि पर मित्रों, वैज्ञानिकों और भोपाल वासियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। डॉ राजीव जैन ने कहा की इम्तियाज अली की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश और भोपाल गौरवान्वित है।

डॉ राजीव जैन भोपाल

समर्थन मूल्य पर सरकार मक्का खरीदे: रघुवंशी

छिंदवाड़ा। किसान मोर्चा के संदीप रघुवंशी व संजय सक्सेना प्रतिनिधी मण्डल के साथ कलेक्टर हरेन्द्र नारायण से मिले एवं ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से मांग की है कि मक्का समर्थन मुल्य 2400 रूपए में सरकार खरीदे क्रय मूल्य पर मक्का की बिक्री से किसानों की लागत नहीं निकल रही है, किसान दुखी है अतः शासन शीघ्र ही मक्का समर्थन मूल्य पर खरीदे

अनुराग होंडा सिवनी द्वारा 'सुरक्षित महिला सारथी' पहल

हेलमेट उपयोग जागरूकता हेतु विशाल दुपहिया वाहन रैली का आयोजन

सिवनी सांध्य प्रकाश। सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाते हुए, अनुराग होंडा, सिवनी ने आज एक व्यापक जागरूकता अभियान 'सुरक्षित महिला सारथी' के तहत महिलाओं की दुपहिया वाहन रैली का सफल आयोजन किया। इस विशाल रैली का मुख्य उद्देश्य शहर की महिला चालकों के बीच दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के अनिवार्य और सही उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

रैली का शुभारंभ अनुराग होंडा शोरूम से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस ऐतिहासिक रैली में महिला दुपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट पहनकर और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए भागीदारी की। रैली ने शहर के प्रमुख और व्यस्ततम मार्गों से होते हुए जनता के बीच सशक्त सुरक्षा संदेश प्रसारित किया। रैली में शामिल महिलाओं ने उत्साह और जिम्मेदारी का प्रदर्शन करते हुए 'जान की सुरक्षा, हेलमेट से होती रक्षा' तथा 'सुरक्षित यात्रा, जीवन की गाथा' जैसे नारे लगाये । इस अवसर पर अनुराग होंडा के प्रबंध निदेशक अखिलेश सिंह चौहान ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ वाहन बेचना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित यातायात संस्कृति को बढ़ावा देना भी है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे हैं, और उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। इस रैली के माध्यम से, हम आशा करते हैं कि हेलमेट के उपयोग की दर में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। हमारा मानना है कि सड़क सुरक्षा किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह रैली केवल एक जागरूकता अभियान नहीं है, बल्कि सिवनी की महिलाओं द्वारा सुरक्षा के प्रति एक सामुदायिक संकल्प है। हम आशा करते हैं कि यह पहल अन्य वाहन चालकों को भी प्रेरित करेगी।

विदिशा जिले के गंजबासौदा में उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन

प्रमोद सिंह राजपूत

गंजबासौदा, सांध्यप्रकाश । सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की मध्य प्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम द्वारा गंजबासौदा जिला विदिशा में बुधवार को दोपहर 3 बजे एल बी एस कालेज , गंजबासौदा में लघु उद्योग भारती के सहयोग से उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र की महाप्रबंधक अशोक श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए RAMP नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में RAMP, ED सर्टिफिकेशन और ई कॉमर्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। इस आयोजन में लघु उद्योग भारती के प्रदीप मित्तल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए लघु उद्योग भारती के कार्य का विवरण दिया व लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदेश व देश में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये राष्ट्र का सबसे बड़ा अखिल राष्ट्रीय संगठन है जो लघु और मध्यम उद्योगों के लिए कार्य करता है ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी उपस्थित थे। स्थरू संतोष विटोलिया, लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष डी डी सेठिया, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम कौशिक, जयस शाह संयोजक स्थगंजबासौदा एवं स्थस्त कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ इंद्रा दुबे भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। जेड पॉलिसी ट्रेनर राजीव दलेला, ट्रेनर रविश कुमार एवं वॉलमार्ट ट्रेनर समीर मिस्त्री ने विस्तृत जानकारी दी। उक्त कार्यशाला में बताया गया कि विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इस भूमिका को पूरा करने के लिए उद्योगों को अपना विस्तार एवं उसकी कार्य प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है, जिससे कि वह अपनी कार्य क्षमता एवं उत्पाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंड पर पहुंचा सकते हैं। लघु उद्योग भारती जो की एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, उसके सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें अधिक से अधिक उद्यमियों की सहभागिता रही।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठकें आयोजित करने निर्देश

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर समस्त कलेक्टर्स को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर संभागीय/जिला मुख्यालय पर जिला विकास सलाहकार समिति की बैठकों एवं प्रेस कांफ्रेंस के आयोजन करने के निर्देश दिए है 13 दिसम्बर, 2025 को राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस अवसर पर राज्य शासन द्वारा प्रदेश के विकास के लिए किये गये प्रयासों/उपलब्धियों इत्यादि से अवगत कराने एवं आगामी कार्ययोजना पर विचार विमर्श करने हेतु संभागीय/जिला मुख्यालयों पर माननीय प्रभारी मंत्रिगण द्वारा जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया है।

ब्लॉक उमरेठ के मोरडोंगरी निमकुही में जय भीम सेना संगठन का विस्तार किया

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश। जय भीम सेना संगठन की ब्लॉक स्तरीय बैठक,, उमरेठ ब्लॉक के मोर डोंगरी क्षेत्र के निमकुही में जिला संगठन प्रमुख शिवम् पहाड़े के मार्गदर्शन में,ब्लॉक कार्यकारिणी के अध्यक्ष बंटी धुर्वे के नेतृत्व में आयोजित की गई,, जिसमे युक्त स्थान पर 8ध्10 ग्रामों के लोगों को संगठन के विषय पर और डॉ बाबा साहब अम्बेडकर जी के विचार पर चलकर, शोषण, अन्याय अत्याचार, के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने के लिए और ग्रामीणों में आज भी,दलित ,आदिवासी समुदाय के लोगों की,, समस्याओं को लेकर भी बात की गई ,, सभी लोगो ने संकल्प लिया कि,, अपने समुदाय में अपने अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करने के लिए जोर डाला गया,, संगठन का विस्तार करते हुए सामाजिक लोगो को जिम्मेदारी दी गई जिसमें, संतोष धुर्वे को क्षेत्रीय अध्यक्ष,, संतराम धुर्वे अध्यक्ष,, बालचंद मर्सकोले, ग्रामीण सचिव,, कन्हैया,, उपसचिव,, प्रकाश कोलारी, समन्वयक,, जय प्रकाश आहके, अनिया सल्लाम, ग्रामीण अध्यक्ष,, शांति धुर्वे कार्यकारी अध्यक्ष, राहुल यूके, ग्रामीण क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए गई।

पी.के. उपाध्याय बने भोपाल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर

भोपाल, सांध्यप्रकाश। पी.के. उपाध्याय को भोपाल का एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर बनाए जाने पर हेस्टू HMS यूनियन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यालय पहुंचकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य रूप से यूनियन के महासचिव हेमंत सिंह, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष एस.के. लोधी, वरिष्ठ सचिव नरेश सिंह जादौन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, स्थ से जितेंद्र सक्सेना, पी.के. सोनी, रमेश पटेल तथाचज्ञ से आर.एस. अरोड़ा और मनीष टेकर सहित यूनियन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने उपाध्याय जी को नई भूमिका में उत्कृष्ट कार्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन एवं कार्यक्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे।

शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह विद्यालय बैरसिया के छात्रों ने किया प्रदर्शन

बैरसिया, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा महर्षि सांदीपनि स्कूल आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और भारतीय संस्कृति-संस्कारों पर जोर देते हैं, ताकि गरीब बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा मिल सके वहीं बैरसिया सांदिपनि विद्यालय की अव्यवस्थाओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है की विभिन्न विषय शिक्षकों के कक्षा में नहीं आने से उन विषयों की कक्षाएं नियमित नहीं लग रही है विद्यालय की कक्षाओं व शौचालयों में नियमित साफ सफाई नहीं होना विद्यालय में कुछ छात्रों द्वारा पानी के नल व कक्षाओं में तोड़फोड़ की जाती है जिस पर विद्यालय प्रबंधन उन पर कोई कार्रवाई नहीं करता है विद्यालय के मुख्य द्वार के दोनों और अवैध अतिक्रमण फैला हुआ है जहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है साथ ही विद्यालय के गेट के आसपास गंदगी फैली रहती है विद्यालय में नहीं पड़ने वाले बहारी लड़के विद्यालय परिसर में घुमते है विद्यालय के छात्रों को परेशान करते हैं ऐसी विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ों छात्रों ने सड़क पर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप पर सड़क से हटे छात्र थाना पहुंचे थाने में पुलिस द्वारा समझाइश देकर छात्रों को स्कूल भेजा गया।

दुरस्त गांवों के ग्रामीणों को भी मिल रहा स्वास्थ्य शिविरों का सीधा लाभः विक्रम अहके

छिन्दवाड़ा, सांध्यप्रकाश। सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय सेवा संकल्प और स्वास्थ्य की श्रृंखला में बुधवार को सांवरी मंडल एक के ग्राम हीरावाडी में 85 वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन उपस्वास्थ्य केन्द्र में किया गया। शिविर का शुभारंभ महापौर विक्रम अहके द्वारा किया गया। शिविर के दौरान कुल 540 ग्रामीणों ने अपना पंजीयन कराया, जिसमें 245 महिलाएं व बालिकाएं और 295 पुरूष व युवा शामिल थे। सभी मरीजों का उपचार कर उन्हें निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। जांच के दौरान मिले 04 गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिये जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। स्वास्थ्य शिविर के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर विक्रम अहके ने कहा कि छिन्दवाड़ा और पांढुर्णा जिले में प्रतिदिन निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिसमें हजारों लोगों का उपचार करके उन्हें निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया है। शिविरों के दौरान मिले गंभीर मरीजों को जिला चिकित्सालय सहित अन्य महानगरों में स्थित मेडिकल कॉलेजों में रेफर कर उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है। अब तक के जिले के इतिहास में यह पहला अवसर है कि दुरस्त गांवों में ही स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

27 हितग्राहियों को सौंपे दिव्यांग उपकरण और सामग्री

अमरवाड़ा, सांध्यप्रकाश। जनपद पंचायत अमरवाड़ा के सभागृह में चिन्हित 27 हितग्राहियों को दिव्यांग उपकरण और सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के प्रभारी लोकेश उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन-प्रशासन के मनसा अनुरूप मंगलवार को चिन्हित दिव्यांग जनों को दिव्यांग उपकरण और सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे 21 हितग्राहियों में से 3 को मोपेड 8 को ट्राई साइकिल 5 को व्हीलचेयर को 4 को कान की मशीन सहित अन्य 10 को अलग-अलग उपकरण दिए गए।

कार्यक्रम में सीईओ जयदेव शर्मा ने अतिथियों और अलग-अलग क्षेत्र से पहुंचे दिव्यांग जनों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभ लेने और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार हेतु सहयोग की अपील की गई। इस शिविर में एलिमको जबलपुर के प्रमुख डॉक्टर एवं छिंदवाड़ा विकलांग पुनर्वास के अधिकारी गण भी मौजूद थे। वहीं इस कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता टीकाराम चंद्रवंशी,दीपक नेमा, नपा अध्यक्ष प्रीति तिवारी, जनपद अध्यक्ष गणेश कंगाली, उपाध्यक्ष उर्मिला मसराम,विनोद चंद्रवंशी, मुकेश यादव, मंतलाल परतेती, सुरेश साहू, निलेश साहू, विनोद चौरसिया,नवीन जैन, सचिन जैन, संतोष वर्मा, मुकेश मालवीय, पंचायत इंस्पेक्टर अशोक सराठिया सहित पंचायत कर्मी और ग्रामीणजन मौजूद रहे।

जनपद पंचायत में दिव्यांगजनों के लिए शिविर लगा

चौरई, सांध्यप्रकाश । जनपद पंचायत चौरई द्वारा दिव्यांगजन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे जी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए ।मुख्य अतिथि श्री दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार दिव्यांगजन के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए संकल्पबद्ध है ऐसे शिविरों से न केवल जरूरतमंदों को सहारा मिलता है, बल्कि उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का आत्मविश्वास भी मिलता है। मुख्य अतिथि दुबे ने जिला उपाध्यक्ष बंटी पटेल, जिलापं सदस्य द्वय लखन वर्मा, ऋषि पटेल, जंप अध्यक्ष सरोज राधेश्याम रघुवंशी, उपाध्यक्ष शैलकुमारी कमलेश वर्मा, नपा अध्यक्ष पूर्णिमा शरद जैन, उपाध्यक्ष सिरपत नायक, सभापति मनोज लिल्हारे, सभापति महेंद्र वर्मा के साथ दिव्यांगजनों का पुष्पमाला से स्वागत कर उन्हें ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वैशाखी, कृत्रिम अंग आदि उपकरण का

वितरण किया गया। एडिप योजनांतर्गत एलिम्को के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में उपकरण पाकर दिव्यांगजनों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। मुख्यअतिथि श्री दुबे समेत अन्य अतिथियों का जंप सीईओ तरुण राहंगडाले, नपा सीएमओ अभयराज सिंह ने आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता श्रीराम चौरसिया, संजय सुकांत, रामकुमार वर्मा, सुशील चौरसिया, राजवंश ठाकुर, पप्पू सोनी, गोविंद दनताले जनपद से पप्पू दुबे, वाहिद खान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

13 दिसम्बर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

सिवनी सांध्यप्रकाश। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्री सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय सिवनी सहित तहसील लखनादौन, घंसौर एवं केवलारी के न्यायालय परिसर में शनिवार 13 दिसम्बरको नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में समझौता योग्य दाण्डिक प्रकरण, चेक अनादरण , मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, विद्युत एवं जलकर प्रकरण, बैंक वसूली प्रकरण, श्रम विवाद, शमनीय विधिक/दाण्डिक अपीलें तथा न्यायालय में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को रखा जाएगा। इनमें दोनों पक्षों के मध्य आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। आयोजित नेशनल लोक अदालत में विशेष रूप से विद्युत प्रकरणों के निराकरण में नियमानुसार बड़ी छूट प्रदान की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रवि नायक ने आमजन से अपील की है कि जिन व्यक्तियों के न्यायालय में या न्यायालय के बाहर प्रीलिटिगेशन स्तर पर प्रकरण लंबित हैं, वे लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सुलह एवं समझौते के माध्यम से अपने प्रकरणों का निराकरण करा सकते हैं।

चटुआमार में प्रस्तावित कलेक्ट्रेट भवन निर्माण का विरोध

अधिवक्ता संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर वैकल्पिक स्थल सुझाए

मंडला, सांध्य प्रकाश। जिला मंडला में नवीन कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण को लेकर अधिवक्ता संघ ने कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। अधिवक्ता संघ ने शहर से दूर भवन बनाने की चर्चाओं का विरोध करते हुए शहर के नजदीक भवन बनाये जाने की मांग रखी है।दरअसल,नवीन कलेक्ट्रेट भवन मंडला में स्वीकृत है और जल्द ही इसका भूमिपूजन होने की संभावना है। प्राथमिक तौर पर इसे उद्यानिकी कार्यालय की भूमि पर बनाया जाना था,लेकिन इस संबंध में उच्च न्यायालय में एक याचिका लंबित है।इसके चलते अब नए स्थान का चयन किया जा रहा है।

ग्राम चटुआमार में नए स्थल के चयन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बाद अधिवक्ता संघ ने आपत्ति जताई है। अधिवक्ता संघ का कहना है कि शहर से दूर कलेक्टर कार्यालय होने से आमजन और अधिवक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।इससे पक्षकारों औरअधिवक्ताओं पर परिवहन एवं अन्य व्यय बढ़ेंगे,साथ ही अतिरिक्त समय भी लगेगा।संघ ने शहर में ही कलेक्ट्रेट भवन निर्माण की मांग करते हुए तीन विकल्प सुझाए हैं।इनमें ज्ञानदीप के सामने शासकीय भवन की भूमि,जिला आपूर्ति कार्यालय, खनिज कार्यालय एवं प्राचीन महिला एवं बाल विकास कार्यालय के स्थान पर कलेक्ट्रेट निर्माण शामिल है।तीसरा सुझाव यह है कि उच्च न्यायालय में उद्यानिकी कार्यालय को लेकर चल रहे मामले का निर्णय होने तक स्थल चयन न किया जाए। इस विरोध प्रदर्शन के तहत अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रामेश्वर झारिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। उन्होंने कलेक्टर सोमेश मिश्रा से मुलाकात कर उनसे चर्चा की और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में स्टेडियम ग्राउंड में राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष ने ट्रास कराकर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया

नरसिंहपुर, सांध्यप्रकाश। मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के तत्वाधान में स्टेडियम ग्राउंड पर राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ इस अवसर पर स्थानीय खेलप्रेमियों के साथ अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा परंपरागत रूप से दीप प्रज्वलन और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर की गई उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष अनीता राजेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष महंत प्रीतम पुरी, राधेश्याम नेमा, डॉ. अनंत दुबे, सुनील कोठारी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मंचासीन रहे। मुख्य अतिथियों ने ट्रॉफी का अनावरण कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना को सर्वोपरि बताते हुए युवाओं को खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी की प्रेरणा दी उद्घाटन मैच जबलपुर और खरगोन के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच खेला गया। मैच से पूर्व अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मैदान में खिलाड़ियों का जोश और दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रतियोगिता में प्रदेश के कई जिलों की दर्जनों टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें वरिष्ठ और जूनियर वर्ग के श्रेष्ठ खिलाड़ी शामिल हैं। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले में हॉकी को बढ़ावा देना, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को मंच देना तथा उभरती प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर पहचान दिलाना है।आयोजन समिति ने बताया कि आने वाले दिनों में लीग और नॉकआउट दौर के रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता और उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफियों एवं सम्मान से नवाज़ा जाएगा। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने की अपील की उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा जिले में खेलों को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल युवा खेलों की ओर आकर्षित होते हैं, बल्कि समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन की भावना भी विकसित होती है। शुभारंभ समारोह के साथ ही स्टेडियम में खेल का उत्सव जैसा माहौल बना रहा और दर्शकों ने पूरे जोश के साथ प्रतियोगिता का आनंद लिया इस अवसर पर अनेक समाजसेवी गणमान्य नागरिकों पत्रकार बंधु की उपस्थिति रही

इनरव्हील क्लब ने छात्राओं को गुड टच-बैड टच की दी जानकारी, महिला वकील ने बताए कानून

आष्टा, सांध्य प्रकाश। सोमवार को इनरव्हील क्लब द्वारा स्थानीय कन्या हायर स्कूल में जाकर गुड टच बेड टच की जानकारी दी गई। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोनी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच इनरव्हील क्लब ने माता-पिता से अपील की है कि वे बच्चों को बचपन से ही गुड टच और बैड टच की पहचान कराना शुरू करें। यह सरल सी शिक्षा बच्चों को न केवल जागरूक बनाती है, बल्कि किसी भी असामान्य स्थिति में आवाज उठाने का साहस भी देती है।

गुड टच वह स्पर्श है जिसमें बच्चे को प्यार, सुरक्षा और सम्मान का एहसास होता है—जैसे माता-पिता का दुलार, अध्यापक का प्रोत्साहन या डॉक्टर द्वारा इलाज के दौरान किया गया स्पर्श। इसके विपरीत, बैड टच वह स्पर्श है जिससे बच्चा असहज, डरा या परेशान महसूस करे, जैसे निजी अंगों को छूना, अनचाहा स्पर्श या किसी भी तरह की दबाव वाली स्थिति। वही वकील अनीता यादव ने बताया कि माता-पिता बच्चों को यह बात स्पष्ट रूप से बताएं कि उनका शरीर उनका अपना है और कोई भी उनकी अनुमति के बिना उन्हें छू नहीं सकता। बच्चों को ÷ना÷ कहना, गलत स्पर्श से दूर हटना और तुरंत किसी भरोसेमंद वयस्क—जैसे माता-पिता, शिक्षक या परिवार के अन्य सदस्य—को बताने की सीख देना बेहद आवश्यक है।

बढ़ती ठंड के चलते नपा ने रैन बसेरा में जुटाई आवश्यक व्यवस्था

आष्टा, सांध्य प्रकाश। शासन द्वारा नगरीय निकायों में गरीब, बेसहारा व वृद्ध नागरिकों के लिए आश्रय स्थल की व्यवस्थाएं की है, किंतु स्थानीय नगरपालिका के पास आश्रय स्थल के स्थान पर स्वयं का रैन बसेरा है जहां पर गरीब, बेसहारा व वृद्ध गरीब आगंतुकों के लिए ठहरने की उत्तम व्यवस्था नगरपालिका द्वारा प्रदान की जाती है। बड़ती ठंड को दृष्टिगत रखते हुए आज नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति की उपस्थिति में रैन बसेरा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि ठंड से ठिठुरते गरीब व बेसहारा नागरिकों के लिए शासन ने रैन बसेरा जैसी महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराई है। खुले आसमान में रात गुजारने वालों के लिए रैन बसेरा एक वरदान है। ठंड के दिनों में रात गुजारने के लिए वहां पहुंचने वालों को आदरपूर्वक सुविधा दी जाना सुनिश्चित हो इस हेतु चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है जिसका आने वाले सभी नागरिकों को लाभ दिलाएं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा नगरपालिका को आश्रय स्थल के स्थान पर रैन बसेरे जैसी सुविधा उपलब्ध कराई है, जो नए बसस्टैंड पर संचालित है। रैन बसेरा को निकाय स्तर पर बेसहारा, गरीब नागरिकों के लिए सुरक्षित रखा गया है। क?क?ाती ठंड को दृष्टिगत रखते हुए उक्त रैन बसेरा पर नागरिकों की सुविधा के लिए नए बिस्तर, चादर, पलंग सहित अन्य व्यवस्थाएं जुटाई है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति ने तैनात कर्मचारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गरीब, बेसहारा व वृद्धजन किसी भी समय आश्रय हेतु आते है तो उन्हें सम्मानपूर्वक जगह देते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं, साथ ही नशा करने वालों को रैन बसेरा में नही प्रवेश करने दे।

सिंगरौली में अडानी की कंपनी के लिए वन कटाई जांच के लिए पहुंचे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका

भोपाल, सांध्य प्रकाश। सिंगरौली के धिरौली ब्लॉक में मप्र कांग्रेस के दिग्गज नेताओं व पुलिस, प्रशासन के बीच जमकर विवाद हुआ। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को प्रभावित इलाके में जाने से रोक दिया। इससे नाराज नेता और उनके समर्थक धरने पर बैठ गए।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में 11 सदस्यीय जांच दल बुधवार सुबह सिंगरौली पहुंचा। स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत के बाद जांच दल ने वन कटाई प्रभावित क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश की। मौके पर मौजूद भारी पुलिस ने बेरीकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया।

पुलिस अफसरों से जमकर नोंकझोंक

प्रभावित इलाके में जाने से रोकने पर कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से तीखी नोंकझोंक भी हुई। उन्होंने प्रभावित वन क्षेत्र में जाने देने की मांग भी रखी, लेकिन पुलिस अफसरों ने इससे इंकार कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, विधायक जयवर्धन सिंह और अन्य सदस्य सड़क पर धरने पर बैठ गए। बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी मौजूद थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस दौरान शासन, प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

दरअसल,सिंगरौली के धिरौली ब्लॉक में अडानी समूह की कंपनी स्ट्राटेक मिनरल रिर्सोसेज को कोल ब्लॉक आवंटित हुआ है। इसके लिए कंपनी को 2672 हेक्टेयर जमीन लीज पर दी गई है। इसमें से करीब 1335 हेक्टेयर वन क्षेत्र हैं। वन विभाग इस जंगल के 6 लाख पेड़ों की कटाई कर कंपनी को समतल जमीन मुहैया कराएगा। इसके लिए पेड़ों की कटाई जारी है। वन क्षेत्र में बसे आधा दर्जन से अधिक गांव के आदिवासी भी विस्थापित किए जाने हैं। इसका विरोध हो रहा है।

कांग्रेस ने राज्य विधानसभा के पिछले मानसून सत्र में भी यह मामला जोर शोर से उठाया था। वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार सदन में यह नहीं बता सके कि धिरौली, जो 2023 में 5वीं अनुसूची में शामिल था, वह दो साल में कैसे बाहर हुआ। पेसा एक्ट धिरौली से कब हटाया गया, यह भी नहीं बताया गया।सदन में संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर जीतू पटवारी ने सिंगरौली मामले की जांच के लिए 11 सदस्यीय समिति गठित की है। इसमें पटवारी के अलावा, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,वरिष्ठ नेता राजेंद्र कुमार सिंह,अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, जयवर्धन सिंह, बाला बच्चन, हेमंत कटारे, विक्रांत भूरिया, ओंकार सिंह मरकाम, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, हिना कांवरे शामिल हैं। सिंगरौली में श्रेणी बदलने की पहेली पर मंत्री की चुप्पी, विधानसभा सत्र में गूंजा सवाल, जवाब में सिर्फ गोलमोल बात, बड़े-पैमाने पर हो रही कटाई की जांच को लेकर जांच के ये बिंदु तय किए गए। इनमें किस क्षेत्र में पेड़ कटे,पेड़ों की कटाई से हो रहे नुकसान, स्थानीय लोगों की आपत्ति व विभागीय अनुमति आ?दि शामिल है।

यूनिसेफ दिवसः बाल अधिकार, करुणा और मानव धर्म का उज्ज्वल मार्ग

हर बच्चे की मुस्कान में मानवता का भविष्य बसता है - उनके अधिकारों की रक्षा करना ही हमारा सच्चा धर्म है

महेश अग्रवाल

मानवता की जड़ों को सींचता एक दिवस जब भी हम किसी बच्चे की मुस्कान देखते हैं, ऐसा लगता है मानो ईश्वर ने अपना सबसे कोमल रूप हमारे सामने रख दिया हो। बच्चे किसी भी समाज का भविष्य मात्र नहीं होते, वे वर्तमान का भी वह दिव्य प्रकाश हैं, जो भटके हुए मन को रास्ता दिखाने की शक्ति रखते हैं। उनकी सहजता में सृजन है, उनकी निश्चल आँखों में आशा है, और उनके सपनों में मानवता का कल है। इसी मानवता को सुरक्षित रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 1946 को यूनिसे? यानि यूनाइटेड नेशन्स इंटरनेशनल चिल्ड्रनस इमरजेंसी फंड की स्थापना की। यह संगठन विश्वभर में बच्चों के अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण और जीवन- सम्मान के लिए कार्य करता है। यूनिसे? दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, यह एक संकल्प है - कि किसी भी बच्चे की मुस्कान भूख, भय, हिंसा, बीमारी या भेदभाव की भेंट न चढ़े। यह स्मरण है कि मानव धर्म की पहली सीढ़ी करुणा और संरक्षण है।

बाल अधिकार – मानव अधिकार का सबसे पवित्र रूप मनुष्य के अधिकारों पर जितनी चर्चा होती है, उतनी ही गंभीरता से बाल अधिकारों पर मंथन आवश्यक है, क्योंकि बच्चे अपने अधिकारों की आवाज नहीं उठा सकते। योग-दर्शन हमें सिखाता है कि कमजोर का संरक्षण ही बलवान की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। बाल अधिकारों के मूल आधार - जीवन का अधिकार - हर बच्चे को सुरक्षित जीवन मिले। स्वास्थ्य व पोषण का अधिकार - वह स्वस्थ शरीर और स्वच्छ वातावरण पाए। शिक्षा का अधिकार - ज्ञान ही भविष्य का मार्गदर्शक बनता है। सुरक्षा का अधिकार - किसी भी प्रकार की हिंसा, शोषण, बाल-श्रम, बल विवाह या दुर्व्यवहार से मुक्ति। अभिव्यक्ति का अधिकार - बच्चे भी अपना मत प्रकट करने का हक रखते हैं।

बच्चों का संसार - जहाँ करुणा का बीज भविष्य बनकर उगता है प्रकृति में किसी भी वृक्ष को बड़ा होने में समय लगता है, लेकिन उसके भीतर का संभाव्य बीज में ही छिपा होता है। नन्हें बच्चों में भविष्य की संपूर्ण संभावनाएँ विद्यमान रहती हैं। लेकिन बीज को उचित जल, पोषण, सूर्य और संरक्षण न मिले तो वह वृक्ष नहीं बन पाता। यूनिसे? इसी संरक्षण की भूमिका निभा रहा है—पीड़ित, भूखे, विस्थापित, युद्ध और आपदा से ग्रस्त बच्चों को सुरक्षा का आश्रय देकर। यह संस्था हर उस नन्हीं कली को सहारा देती है जो परिस्थितियों की आँधी में टूट सकती थी।

योग-दर्शन और बाल संरक्षण – भीतर का प्रकाश जगाने की साधना योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, वह एक समग्र दर्शन है - करुणा, मैत्री, अहिंसा, संतुलन और संवेदनशीलता का मार्ग। यूनिसे? के उद्देश्यों से योग का गहरा सामंजस्य है - अहिंसा का विस्तार, अहिंसा का अर्थ केवल हिंसा न करना नहीं, बल्कि किसी भी पीड़ित की वेदना को समझकर उसे कम करना भी अहिंसा ही है। बच्चों को हिंसा से मुक्ति देकर यूनिसे? इस अहिंसा को वैश्विक रूप दे रहा है। करुणा - योग का हृदय - पतंजलि योग सूत्र कहते हैं - करुणा का भाव आत्म-शुद्धि का मार्ग है। बच्चों के प्रति करुणा ही हमें यथार्थ मानव बनाती है।संतुलन व न्याय - बच्चों के साथ अन्याय मानवता की सबसे बड़ी असंतुलित स्थिति है। यूनिसे? संतुलन स्थापित करता है - जहाँ समाज के वंचित बच्चे भी बराबरी से अवसर पा सकें।शिक्षा - ज्ञान योग का प्रथम सूत्र - शिक्षा ही वह दीपक है, जो अंधकार में भी मार्ग दिखाता है। बाल शिक्षा कार्यक्रम, स्कूल निर्माण, डिजिटल शिक्षा - ये यूनिसे? के ज्ञानयोग के कार्य हैं।

युनेस्को, यूनिसे? और भारतीय संस्कृति - एक विस्तृत दृष्टि

भारतीय संस्कृति में बालक ब्रह्मचर्याश्रम में देवतुल्य माना गया है। यहाँ बच्चों को केवल पालन के लिए नहीं, बल्कि जीवन का उजाला÷ समझा गया है। हमारी परंपरा में - बाल गोपाल का आनंद, बाल हनुमान की शक्ति, बाल कृष्ण की नटखटता, बाल शिव की ध्यानमग्नता - इन सबमें हम देखते हैं कि हिंदू धर्म में शिशु केवल एक मानव नहीं, बल्कि भविष्य का देवस्वरूप है।यूनिसे? का मूल नारा हर बच्चे का अधिकार - हर बच्चे का भविष्य। हमारे भारतीय मंत्र से मेल खाता है - सर्वे भवन्तु सुखिनः - सब सुखी हों, विशेषकर बच्चे।

विश्व की चुनौतियाँ - जहाँ यूनिसे? की भूमिका जीवन-रेखा बनती है आज भी लाखों बच्चे दुनिया भर में - कुपोषण, रोग, हिंसा, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, बाल-श्रम, बाल-विवाह, मानव-तस्करी, शिक्षा के अभाव जैसी विपत्तियों से घिरे हुए हैं।यूनिसे? इन चुनौतियों के बीच जीवन-रेखा की तरह कार्य करता है। स्वास्थ्य और पोषण - टीकाकरण, स्वच्छ जल, माँ-बच्चे के स्वास्थ्य अभियान, पोषण किट -ये यूनिसे? के मूल कार्यक्रम हैं। शिक्षा - डिजिटल स्कूल, मोबाइल स्कूल, आपदाओं में अस्थायी स्कूल, लड़कियों की शिक्षा अभियान - ये शिक्षा समानता के प्रयास हैं। सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य - यूनिसे? बच्चों को हिंसा, तस्करी, युद्ध के घाव और दुर्व्यवहार से बचाकर मानसिक-भावनात्मक पुनर्वास करता है। आपातकालीन स्थितियाँ - युद्ध क्षेत्रों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों, बाढ़ या भूकंप जैसे संकटों में भोजन, पानी, कपड़े, आश्रय - यूनिसे? तुरंत पहुँचाता है।

युद्ध, आपदा और विस्थापन –बच्चे सबसे बड़ी त्रासदी झेलते हैं जब भी युद्ध होता है, हथियार किसी एक सैनिक को मारते हैं, पर उसका घाव लाखों बच्चों के हृदय में उतर जाता है। उनकी दुनिया टूट जाती है - घर, स्कूल, मित्र, सुरक्षित जीवन - सब छिन जाता है। इसीलिए बाल सुरक्षा एक वैश्विक चिंता है। यूनिसे? का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध की राख में भी बच्चों की आशाओं के फूल उगते रहें। यह संगठन बच्चों के लिए मानवीय ढाल की भूमिका निभाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य – हमारे संस्कार और यूनिसे? के लक्ष्य भारत में बच्चों के अधिकारों की चर्चा केवल आधुनिक अवधारणा नहीं है, हमारी प्राचीन संस्कृति बच्चों को -अतिथि, पवित्रता, भविष्य का प्रकाश और परिवार का सौभाग्य मानती है। भारतीय दृष्टिकोण में बच्चों के संरक्षण की 5 प्रमुख बातें - संस्कार आधारित शिक्षा, कुटुंब व्यवस्था में संरक्षण, मातृत्व का सम्मान, सहभागिता, करुणा और सेवा, सामुदायिक जिम्मेदारी ये सब यूनिसे? के लक्ष्यों से अद्भुत समानता रखते हैं।

योग और बच्चों का सम्पूर्ण विकास –एक मार्गदर्शक विचार

बच्चों में योगाभ्यास के अद्भुत लाभ होते हैं - ध्यान से एकाग्रता बढ़ती है, प्राणायाम से मन शान्त होता है, आसनों से शारीरिक शक्ति और लचीलापन बढ़ता है, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास विकसित होता है। यूनिसे? की शिक्षा नीति में भी मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास पर बल दिया जाता है। योग - शिक्षा - प्रेम -समग्र बाल विकास का आदर्श सूत्र।

समाज की भूमिका -बाल सुरक्षा एक सामूहिक तपस्या है एक कहावत है - एक बच्चा पूरा गाँव मिलकर बड़ा करता है। यूनिसे? अकेले कोई चमत्कार नहीं कर सकता। जब समाज, परिवार, शिक्षक, सरकार, संस्थाएँ और आध्यात्मिक समुदाय साथ खड़े हों, तभी स्थिति बदलती है। हम सब क्या कर सकते हैं? किसी भी बच्चे से कठोर व्यवहार न करें। बाल-श्रम देखे तो प्रतिक्रिया दें। शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ने का मौका दें। जरूरतमंद बच्चों की मदद करें - पुस्तकें, वस्त्र, भोजन, चिकित्सा। योग शिविरों में बच्चों को विशेष स्थान दें। उन्हें करुणा, नैतिकता, सत्य और अनुशासन सिखाएँ। घर में, स्कूल में और समाज में सम्मान व सुरक्षा दें।

यूनिसेफ दिवस का सन्देश – विश्व एक परिवार है - वसुधैव कुटुम्बकम् यूनिसे? दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि - हमारे बच्चों की सुरक्षा केवल पारिवारिक उत्तरदायित्व नहीं, यह वैश्विक मानव धर्म है। भारतीय दर्शन कहता है - वसुधैव कुटुम्बकम् - संपूर्ण पृथ्वी हमारा परिवार है। और जब बात बच्चों की हो, तब यह वाक्य और भी पवित्र हो जाता है। यूनिसे? यही संदेश लेकर आगे बढ़ता है - प्रत्येक बच्चा, चाहे वह किसी भी देश, संस्कृति या परिस्थिति में जन्मा हो, समान सम्मान और अवसर का अधिकारी है।

भविष्य का सपना – एक ऐसी दुनिया जहाँ हर बच्चा सुरक्षित और शिक्षित हो कल्पना कीजिए - एक ऐसी दुनिया जहाँ - कोई बच्चा भूखा न सोए, कोई बच्चा विद्यालय जाने से वंचित न हो, कोई लड़की केवल लड़की होने के कारण अवसरों से न वंचित हो, कोई बच्चा हिंसा या युद्ध का शिकार न हो, हर बच्चा सुरक्षा, प्रेम और स्नेह की गोद पाए। यह सपना यूनिसे? का है।और यह सपना तभी पूरा होगा जब हर संवेदनशील हृदय इसे अपना संकल्प बना ले।

मानवता की ज्योति – बच्चों के हाथों में सुरक्षित यूनिसे? दिवस हमें यह याद दिलाता है कि - दुनिया बच्चों से है, और बच्चों की दुनिया हमसे। अगर हम चाहते हैं कि भविष्य उज्ज्वल हो, तो आज बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान सुनिश्चित करना ही होगा। हम जीवन में चाहे जितनी ऊँचाइयाँ प्राप्त करें, पर सच्चे अर्थों में महान वही है - जो किसी नन्हें हृदय की धड़कन को सुरक्षित रखे।

मानव अधिकार दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मूल अधिकारों के साथ आपने कर्तव्य का पालन भी करे छात्र : न्यायाधीश राकेश सिंह

छिंदवाड़ा , सांध्य प्रकाश। भारत बताता हे की अधिकार तभी बलते है जब वे कर्तव्य नेतिकता ओर विश्व बंधुत्व से जु? हो, हर व्यक्ति के हित सम्मान ओर स्वतंत्रता की रक्षा करे,यही आगे चलकर मानवाधिकार का मूल आधार बनती है । इस विषय की जानकारी देने के लिए माननीय सुशांत हुद्दार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण , के निर्देशन में स्थानीय शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल एस ए एफ मे मानव अधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राकेश सिंह , विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य श्यामल राव की उपस्थिति मे मनाया गया । इस अवसर पर राकेश सिंह ने बताया की इस वर्ष मानवाधिकार दिवस की थीम मानवाधिकार हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताये पर अपने विचार रखते हुये बताया की क्यो हम जोर देते हे समानता ,न्याय, स्वतंत्रता, जेसे मानवाधिकार हमारे जीवन के लिए कितना अनिवार्य थे । अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के आदर्श एक दूसरे के पूरक हे,जो मानव समाज को शांति, समानता ओर मानवीयता को अग्रसर करते है । श्यामल राव ने कहा की मानव के अधिकारो को सुरक्षित रखने के लिए संविधान मे मूल अधिकार हमे दिये गये हे ओर साथ मे कर्तव्यो का पालन करने फर भी जोर दिया गया है यह बात हमे नही भूलना चाहिए । समय के अनुसार मानव अधिकार आयोग,महिलाओं के लिये आयोग, बालको के संरक्षण के लिए अधिनियम बनाकर उनके हितो का ध्यान रखा गया हे वही कानूनी क्षेत्र मे महिलाओं की भागीदारी तभु ब?गी जब देश मे लेंगिक समानता ही सर्वोपरि होगी वर्तमान मे प्रत्येक महिलाओं को कानूनी पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ,अघर वे शीक्षित होगी तो अपने फेसले स्वंय ले सकेगी । आयोजन को सफल बनाने मे प्राचार्य ग्रीस शर्मा, कृष्ण गोपाल राठी , शिवेंद्र तिवारी,संतोष गुजरे, देवकी बात्री,रिचा खरे ,विनीता राय ,ऊषा गजभिए, गजभिए अर्चना माहोरे, अर्चना रात्रे आदी का सराहनीय सहयोग रहा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमाक/राजस्व/2025/3468 शाजापुर, दिनांक 08/12/2025

भवन/भूमि नामान्तरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अन्तर्गत मकान / प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अन्तर्गत प्रस्तुत किये गये है उक्त मकान /प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करे। निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी सो सूचित हो -

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र. / क्षेत्र	भवन / भूमि	नामातरण का आधार
1	681/ 25*7	रश्मि सक्सेना पति आलोक, गायत्री नगर, शाजापुर	महेन्द्र पिता कन्हैयालाल धार	28. सिद्धार्थ नगर	भूमि सर्वे क्र. 1336/1/1/1	रजि.
2	682/ 25*7	मुकेश बिठोरे पिता मोहनलाल, गुलाना, शाजापुर	नरेन्द्र हावडिया पिता घनश्याम, शाजापुर	5. डासीपुरा	भूमि सर्वे क्र. 185/2	रजि.
3	683/ 25*7	आलोक सक्सेना पिता दयाशकर, सिविल लाइन स्टेशन रोड, शाजापुर	संतोष बाई पति स्व प्रकाशचन्द, शाजापुर	1. फूलखेडी	भूमि,भूमि सर्वे क्र. 271/1/1/1	रजि.
4	684/ 25*7	प्रेमनारायण जोशी पिता बाबुलाल, नवीन नगर, शाजापुर	अर्चना शर्मा पति शिरीष सुमन शर्मा, सेठीनगर, उज्जैन	28. दुपाडा रोड	मि. भूमि सर्वे क्र. 83/1	रजि.
5	685/ 25*7	सीमा बी पति आरिफ अंसारी सपरीपुरा, शाजापुर	शेख नईम पिता शेख सलीम, सपरीपुरा, शाजापुर	7. जाकिर हुसैन मार्ग	भवन, भवन क्र. 2	रजि.
6	686/ 25*7	आयशाबी पति रियाज खान, मो बडोदिया, शाजापुर	हनीफ खान पिता मो शकूर खान, नाथवाडा, शाजापुर	11. तेलीवाडा	भवन, भवन क्र. 10/2	रजि.
7	687/ 15*7	रमजान खान, शब्बो पिता बाबू खा, लोहिया मार्ग, शाजापुर	गीता बाई पति नंदकिशोर, दशहरा मैदान, शाजापुर	1. लोहिया मार्ग	भवन, भवन क्र. 8/1	रजि.
8	688/ 25*7	विजय पति छगनलाल, प्रेमलताबाई, देवेन्द्र पति/पिता किशोरीलाल, मो बडोदिया, शाजापुर	छगनलाल, किशोरीलाल, सुरेश, हुकमचन्द्र पिता लक्ष्मीनारायण सोनी, मो बडोदिया, शाजापुर	12. नागनागिनी रोड	भवन	फौती नामां
9	689/ 25*7	रामचन्द्र पित नानूराम, चौबदारवाडी, शाजापुर	रमेशचन्द्र पित आशाराम, चौबदारवाडी, शाजापुर	10. चौबदार वाडी	भूमि	रजि
10	690/ 25*7	रेशम बाई पति कमलसिंह, शाजापुर	खाजु मसूरी पिता गफुर खां, हरायपुरा, शाजापुर	26 ज्योति नगर	भवन, भवन क्र. 125	रजि.

प्रेम जैन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद शाजापुर

दिनेश सौराष्ट्रीय
प्रभारी
राजस्व एवं वित्त लेखा

भूपेंद्र कुमार दीक्षित
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद शाजापुर

ग्रीन लॉजिस्टिक कॉनक्लेव-2025

उप मुख्यमंत्री शुक्ल एमपीआईडीसी और सीआईआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मिंटो हॉल भोपाल में ग्रीन लॉजिस्टिक कॉनक्लेव-2025 का शुभारंभ सत्र में शामिल हुए। शुभारंभ सत्र में प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह, एमडी एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला, सीआईआई के वाईस प्रेसिडेंट महेश पंजवानी, एनएचईवी के प्रतिनिधि सहित इलेक्ट्रिक व्हीकल और लॉजिस्टिक क्षेत्र में कार्य करने वाले औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार के दो साल पूरे होने पर

30 मंत्री 13 को बनाएंगे विकास की योजनाएं

जिला और संभागीय मुख्यालयों पर बैठकों और प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन होगा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश में राज्य सरकार के कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर प्रदेश के हर जिले के विकास की स्कीम बनेगी। जिसको लेकर 30 कैबिनेट मंत्रियों को विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी सौंपी है।13 दिसंबर से जिला और संभागीय मुख्यालयों पर बैठकों और प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जनता, जनप्रतिनिधियों व हितधारकों की जरूरतों के अनुसार जिले के दीर्घकालीन विकास की योजनाएं बनाई जाएगी। वोकल फॉर लोकल सिद्धांत के तहत परंपरागत कौशल को चिन्हित कर जिले की समृद्धि का रोडमैप तैयार करना। शासकीय योजनाओं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर तरीके से लागू करने के सुझावों पर विचार करना। रोजगार सृजन एवं विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्यों के संबंध में सुझाव देना। उद्योग, व्यापार, जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात, कृषि आदि क्षेत्रों में जिले की कार्ययोजना हेतु सुझाव देना है।

दो चरणों में होगा कार्यक्रम

प्रथम चरण13 दिसंबर को, प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक होगी। प्रभारी मंत्री द्वारा संभागीय जिला मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। द्वितीय चरण 14 से 20 दिसंबर तक (सुविधानुसार, छूटे हुए जिले) प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक होगी। प्रभारी मंत्री द्वारा संभागीय, जिला मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी।

जिला विकास सलाहकार समिति

जिला विकास सलाहकार समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उपाध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री होंगे। सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाज सेवा आदि क्षेत्रों के 20 प्रतिनिधि सदस्य और कलेक्टर सदस्य-सचिव होंगे।

जगदीश देवडा (उप मुख्यमंत्री) जबलपुर, राजेन्द्र शुक्ला (उप मुख्यमंत्री) सागर, कुंवर विजय शाह रतलाम, कैलाश विजयवर्गीय सतना, प्रहलाद सिंह पटेल रीवा, राकेश सिंह छिंदवाडा, करण सिंह वर्मा मुरैना, उदय प्रताप सिंह कटनी, संपतिया उइके सिंगरौली, तुलसीराम सिलावट, ग्वालियर, एदल सिंह कंषाना दतिया, निर्मला भूरिया मंदसौर, गोविंद सिंह राजपूत गुना, विश्वास सारंग खरगोन, नारायण सिंह कुशवाह शाजापुर, नागर सिंह चौहान उमरिया, प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, राकेश शुक्ला अशोकनगर, चेतन्य काश्यप राजगढ़, इंदर सिंह परमार पन्ना, कृष्णा गौर (राज्यमंत्री) सीहोर, धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी (राज्यमंत्री)खंडवा, दिलीप जायसवाल (राज्यमंत्री) सीधी, गौतम टेटवाल (राज्यमंत्री) उज्जैन, लखन पटेल (राज्यमंत्री) विदिशा, नारायण सिंह पंवार (राज्यमंत्री) रायसेन, नरेन्द्र शिवाजी पटेल (राज्यमंत्री) बैतूल, प्रतिमा बागरी (राज्यमंत्री)डिंडौरी, दिलीप अहिरवार (राज्यमंत्री)अनूपपुर, राधा सिंह (राज्यमंत्री) मैहर में रहेंगे।

जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने बताया कि केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में ग्वालियर कलेक्ट्रेट में ग्वालियर शहर की विकास परियोजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में सहभागिता की। इस अवसर पर ग्वालियर में प्रगतिरत 10 -12 हजार करोड़ रुपए की एलीवेटेड रोड, चंबल परियोजना, सिक्स लेन एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न बायपास, अम्बेडकर धाम, मल्टीलेवल पार्किंग सहित सभी प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

31 दिसंबर तक फ्रीज होंगी विभागों की प्रशासनिक इकाइयां

20 दिन में जो बदलाव करना है करें, परीक्षा में जनगणना का ध्यान रखें: अनुराग जैन

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभाग अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि जनगणना 2027 के दृष्टिगत प्रशासनिक इकाइयों में जो भी परिवर्तन किये जाने हैं वे 31 दिसंबर 2025 तक कर लिए जाएं। इसके बाद सभी प्रशासनिक इकाइयों को फ्रीज किया जाएगा और जनगणना होने तक इनमें बदलाव नहीं किया जा सके। मुख्य सचिव ने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि वे जनगणना के सेकंड फेस को ध्यान में रखकर वर्ष 2026-27 का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करें। परीक्षाओं की समय-सारणी इस तरह तैयार की जाए ताकि विद्यार्थियों को कोई असुविधा नहीं हो। मुख्य सचिव जैन ने यह निर्देश मंत्रालय में भारत की जनगणना 2027 के दृष्टिगत राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में दिए। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के दौरान 30 दिन में किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि स्कूली बच्चों की पढ़ाई, मानसून इत्यादि को ध्यान में रखते हुए इस 30 दिन की अवधि निर्धारित की जायें। बैठक में बताया गया कि जनगणना के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य पूरे देश में एक साथ फ़रवरी 2027 में किया जायेगा। मुख्य सचिव जैन ने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिया गया कि वे जनगणना के द्वितीय चरण को ध्यान में रखकर वर्ष 2026-27 का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करें।

उन्होंने परीक्षाओं की समय-सारणी इस तरह तैयार करने के निर्देश दिये है जिससे विद्यार्थियों को कोई असुविधा नहीं हो। साथ ही संबंधित विभागों को यह भी निर्देश दिए गए कि वे आपस में समन्वय करते हुए जनगणना 2027 के लिए मानव संसाधन की उपलब्धता के लिए योजना तैयार करें जिससे जनगणना का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके। मुख्य सचिव जैन ने आगामी जनगणना डिजिटल होने के मद्देनजर संबंधितों को उचित समय पर युक्तियुक्त प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जैन ने जनगणना के दौरान स्व-गणना किए जाने के प्रावधान की सराहना की। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों को यह भी निर्देश दिये कि वे जनगणना 2027 के कार्य के समन्वय के लिए अपने अपने विभागों में एक नोडल अधिकारी नामित करें। जनसंपर्क विभाग को जन सामान्य में जनगणना के प्रति जागरुकता लाने एवं भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये गये।

मोबाइल एप से होगी मॉनिटरिंग

मुख्य सचिव जैन ने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जन को यह बताया जाना आवश्यक होगा कि जनगणना 2027 पहली बार देश में डिजिटल होगी, जिसमें मोबाइल एप के माध्यम से आंकड़ों का संकलन एवं वेब पोर्टल के माध्यम से मैनेजमेंट एवं मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बात का प्रचार होना चाहिए कि जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत जनगणना में संकलित व्यक्तिगत जानकारियां गोपनीय होती हैम। साथ ही इन्हें कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

राज्य-स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की इस पहली बैठक में अपर मुख्य सचिव, गृह, अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन, अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास, सचिव, गृह एवं राज्य नोडल अधिकारी (जनगणना), निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश,राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एन.आई.सी. और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गृह विभाग करेगा नोडल के रूप में काम

अपर मुख्य सचिव, गृह शिव शेखर शुक्ल ने बताया कि मध्यप्रदेश में गृह विभाग जनगणना के लिए नोडल विभाग है जो भारत सरकार, जनगणना निदेशालय एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए जनगणना सम्पादन में अपनी भूमिका का निर्वहन करेगा । प्रारंभ में निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय द्वारा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनगणना 2027 की रूपरेखा, प्रारम्भिक तैयारियां, डिजिटल रोडमैप और संगठनात्मक ढांचा इत्यादि के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

पौने दो लाख सुपरवाइजर और प्रगणक होंगे तैनात

निदेशक, जनगणना द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय महत्त्व के इस वृहद कार्य में लगभग 1 लाख 75 हजार प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक अमले की भी आवश्यकता होगी। निदेशक जनगणना द्वारा अवगत कराया गया कि जनगणना के प्रथम चरण के पूर्व परीक्षण का कार्य प्रदेश में जिला रतलाम की रतलाम तहसील, जिला सिवनी की कुरई तहसील के कुछ चयनित ग्रामों में तथा ग्वालियर जिले के नगर निगम ग्वालियर के चयनित वार्डों में नवम्बर 2025 में कराया गया।

मध्य प्रदेश सरकार के पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज विदिशा जिले के दौरे के दौरान उनके हमेशा के साथी कप्तान सिंह के पठारी स्थित आवास पर गए।

प्रदेश भाजपा संवाद प्रमुख आशीष अग्रवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती से उनके आवास पर सौजन्य भेंट की। सौहार्द्रपूर्ण चर्चा के दौरान उनके स्नेह और मार्गदर्शन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

जरूरी होने पर ही रात 12 से 5 बजे के बीच चलाएं पुलिस वाहन

भोपाल। सागर जिले में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात ट्रॉले से टकराकर मुरैना जिले के बम डिस्पोज़ल एंड डॉग स्क्वॉड वाहन में सवार चार पुलिसकर्मियों की मौत के बाद पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने नए निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि रात 12 बजे से सुबह 5 बजे के बीच पुलिस वाहन केवल अत्यावश्यक स्थिति में ही चलाए जाएं। डीजीपी मकवाणा ने इंदौर और भोपाल पुलिस आयुक्तों सहित सभी जोन के आईजी और जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भेजे पत्र में उल्लेख किया कि सागर जिले में हुए इस भीषण हादसे में चार पुलिसकर्मी जान गंवा चुके हैं, जबकि एक घायल जवान को एयरलिफ्ट कर दिल्ली इलाज के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार वाहन मुरैना जिले का था, जो बालाघाट में एक महीने तक नक्सल विरोधी अभियान में ड्यूटी करने के बाद लौट रहा था। डीजीपी ने पत्र में कहा कि बीते वर्षों में भी यह देखा गया है कि देर रात लंबी दूरी की यात्रा करने पर वाहन चालक थकान का शिकार हो जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहन की स्थिति बेहतर हो, चालक अधिकृत हो और उसे कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी न हो।

आदेश में कहा गया है कि रात्रि गश्त, थानों की आकस्मिक ड्यूटी, अचानक उत्पन्न परिस्थितियों में घटनास्थल पर पहुंचना या वीवीआईपी मूवमेंट जैसी आवश्यक स्थितियों को छोड़कर रात 12 से सुबह 5 बजे के बीच यात्रा से बचा जाए। यदि लंबी दूरी तय करनी हो तो मार्ग में पड़ने वाली पुलिस इकाइयों पर चालक को पर्याप्त विश्राम दिलाया जाए। डीजीपी ने सभी इकाइयों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

धुरंधर फेम अक्षय खन्ना ने क्यों नहीं की शादी? बताई वजह से सोच में पड़ जाएंगे

मुंबई। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म में रहमान डकैत के दमदार किरदार में अक्षय खन्ना ने दर्शकों और समीक्षकों, दोनों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया से लेकर आम दर्शकों तक, हर जगह उनके अभिनय की तारीफ हो रही है। इसी बीच अक्षय खन्ना की निजी जिंदगी एक बार फिर सुर्खियों में है, खासकर उनकी शादी को लेकर। मार्च 1975 में जन्मे अक्षय खन्ना 50 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन आज भी अविवाहित हैं। अक्षय खन्ना से उनके कुंवारे रहने को लेकर कई बार सवाल पूछे जा चुके हैं। एक फिल्म प्रमोशन के दौरान जब उनसे शादी न करने की वजह पूछी गई, तो उन्होंने बेहद बेबाक और दिलचस्प जवाब दिया। अभिनेता ने कहा कि उन्हें अपनी जिंदगी में अतिरिक्त जिम्मेदारियां पसंद नहीं हैं। वह अकेले खुश हैं और इस तरह की जिंदगी को पूरी तरह एन्जॉय करते हैं। उनके अनुसार, न किसी की देखभाल की जिम्मेदारी, न किसी की चिंता सिर्फ खुद के बारे में सोचना उन्हें सुकून देता है। इसी वजह से वह अपनी मौजूदा जिंदगी को बहुत शानदार बताते हैं और मानते हैं कि शादी करके वह इसे क्यों बदलें। अक्षय खन्ना का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद दर्शक ही नहीं, बल्कि इंटरव्यू लेने वाला होस्ट भी हंस पड़ा था। उनकी साफगोई और आत्मविश्वास ने कई लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' में विलेन के किरदार में नजर आए थे, जहां विक्की कौशल ने संभाजी महाराज की भूमिका निभाई थी और अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का किरदार निभाकर खूब सराहना बटोरी थी। अब 'धुरंधर' में रहमान डकैत के रूप में उनकी जबरदस्त वापसी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अक्षय खन्ना अभिनय के मामले में आज भी उतने ही प्रभावशाली हैं। फिल्मों में उनकी दमदार मौजूदगी और निजी जिंदगी को लेकर उनकी अलग सोच, दोनों ही उन्हें भीड़ से अलग बनाती हैं।

सैंपल पेपर दो महीने देरी से मिले, सिलेबस अधूरा, 7 फरवरी से 10वीं-12वीं की मुख्य परीक्षाएं

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा 2026 के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड परीक्षा 7 फरवरी से शुरू होंगी, जिसमें करीब 18 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। हालांकि, अधिकांश स्कूलों में अब तक सिलेबस पूरा नहीं हो सका है। कुछ स्कूलों में 20 प्रतिशत जबकि कुछ में 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम बचा हुआ है। इस वजह से विद्यार्थियों में मुख्य परीक्षाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच इस साल सैंपल पेपर पिछले वर्ष की तुलना में करीब दो महीने देरी से जारी होने से लाखों विद्यार्थी दबाव में हैं। पिछले साल बोर्ड परीक्षा के लिए सैंपल पेपर अक्टूबर महीने में जारी कर दिए गए थे, जबकि इस बार ये दिसंबर के पहले सप्ताह में उपलब्ध कराए गए। इसका असर यह हुआ कि छात्र लंबे समय तक पुराने पैटर्न के आधार पर पढ़ाई करते रहे और अब परीक्षा से ठीक पहले उन्हें तैयारी की दिशा बदलनी पड़ी।

कई स्कूल अपने पाठ्यक्रम को पूरा करने में लगे हैं। छात्रों का कहना है कि सिलेबस भी अधूरा है, जिससे रिवीजन और आत्मविश्वास दोनों प्रभावित हो रहे हैं। इस वर्ष 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में करीब 18 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। सैंपल पेपर में देरी और अधूरा सिलेबस इतने बड़े स्तर पर छात्रों की तैयारी और मानसिक स्थिति पर असर डाल रहा है। दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षा 2026 के लिए सैंपल पेपर जारी कर दिए हैं। इस बार विद्यार्थियों को छोटे-छोटे प्रश्नों पर ज्यादा ध्यान देना होगा, जबकि लंबी और जटिल प्रश्नों की संख्या कम की गई है।

प्रदेश रिकॉर्ड तोड़ ठंड की चपेट में, बर्फीली हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। प्रदेश में इस बार दिसंबर की शुरुआत से ही तेज ठंड का दौर शुरू हुआ जो जारी है है। हिमालयी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और उत्तरी हिस्सों में जेट स्ट्रीम के असर के कारण प्रदेश में तापमान तेजी से गिर रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 13 दिसंबर से एक और नया सिस्टम बन रहा है, जिसकी वजह से अगले कई दिनों तक ठंडी और बर्फीली हवा लगातार बहेगी। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है।

छठे दिन भी शीतलहर चली

बुधवार को भोपाल में लगातार छठे दिन भी शीतलहर चली। मलाजखंड में पारा 22.7 डिग्री तक पहुंचा, जबकि नरसिंहपुर, रीवा, सीधी, बैतूल और धार में तापमान 26 डिग्री के अंदर रहा। मंगलवार-बुधवार की रात कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। इंदौर में पारा 5.4 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं भोपाल में 6.8 डिग्री, ग्वालियर में 9.3 डिग्री, उज्जैन में 8.7 डिग्री और जबलपुर में 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पहली बार तापमान 3 डिग्री तक धराशायी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शहडोल का कल्याणपुर रहा, जहां सीजन में पहली बार तापमान 3 डिग्री तक गिर गया। उमरिया का न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री रहा। पचमढ़ी और राजगढ़ में पारा 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। रीवा में 5.8 डिग्री, मलाजखंड में 6.7 डिग्री, मंडला और नौगांव में 7 डिग्री, रायसेन में 7.4, छिंदवाड़ा में 7.8 और शिवपुरी में 8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

जेट स्ट्रीम का प्रभाव

उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम का प्रभाव भी इस बार अधिक दिख रहा है। यह हवा लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से बह रही है। इसके सक्रिय होने से एमपी में तापमान और तेजी से गिर रहा है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा के साथ जेट स्ट्रीम के जुड़ने से ठंड का असर दोगुना हो गया है। हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में समय से पहले हुई बर्फबारी ने भी ठंड की तीव्रता बढ़ाई है। हवा की दिशा उत्तरी होने से प्रदेश में शीतलहर की स्थिति लगातार बनी हुई है।

रिकॉर्ड तोड़कर रिकॉर्ड बना रही सर्दी

भोपाल में इस बार नवंबर में 84 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है। लगातार 15 दिन शीतलहर चली, जबकि एक रात तापमान 5.2 डिग्री तक जा पहुंचा। इंदौर में भी 25 साल में सबसे ज्यादा ठंड दर्ज हुई। दिसंबर में भी यह सिलसिला जारी है और कई शहरों में पिछले 10 साल के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दिसंबर और जनवरी में प्रदेश में ठंडी हवा का असर सबसे ज्यादा रहता है। जनवरी में 20 से 22 दिन तक कोल्ड वेव चलने की संभावना है।